राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 254 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,12 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

कॉगनिजैंट लगवाएगी छह लाख कर्मियों को फ्री टीका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना वैक्सीनेशन का दूसरा चरण चल रहा है। सरकारी अस्पतालों के अलावा प्राइवेट अस्पतालों में भी एक निश्चित राशि देकर अभी 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोग कोरोना का टीका लगवा सकते हैं। इसी बीच आईटी कंपनी कॉगनिजैंट अपने सभी एम्प्लाई और उनके परिजनों को मुफ्त कोरोना वैक्सीन लगवाएगी। आईटी कंपनी कॉगनिजैंट ने कहा कि वह देशभर में अपने 2 लाख से अधिक फुलटाइम एम्प्लाइज को लगने वाले कोरोना वैक्सीन की लागत का वहन करेगी। 50,000 सपोर्ट स्टाफ के लोग और उनके परिवार के सदस्यों को भी कंपनी टीका लगवाएगी।

बंगाल में एसकेएम की 12 से किसान महापंचायत

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया की शुरुआत के साथ ही सियासी तापमान बढ़ने लगा है। टीएमसी और विपक्षी भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हुए कथित हमले के बाद पारा चढ़ा हुआ है। बंगाल के चुनावी रण में अब संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) की भी एंट्री हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा ने नंदीग्राम और कोलकाता में 13 मार्च को किसान महापंचायत का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने 12 से 14 मार्च तक पश्चिम बंगाल के अलग-अलग इलाकों में किसान महापंचायत का ऐलान किया है।

रवनीत सिंह बिट्टू होंगे लोकसभा में नेता विपक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा में

पंजाब के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू को बजट सत्र के लिए विपक्ष का नेता नियुक्त किया है। वह पश्चिम बंगाल के सांसद और सीनियर लीडर अधीर रंजन चौधरी की जगह लेंगे। गुरुवार को ही कांग्रेस की ओर से इस फैसले की जानकारी दी गई है। पंजाब कांग्रेस ने रवनीत सिंह बिट्टू को लोकसभा में नेता विपक्ष बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी हैं। अगले दो महीने तक अधीर रंजन चौधरी चुनाव प्रचार में बिजी रहेंगे।

एक राशन कार्ड प्रणाली से जुड़ा उत्तराखंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के एक देश-एक राशनकार्ड योजना में शामिल होने के साथ ही इस योजना को लागू करने वाले राज्यों की संख्या बढ़कर 17 हो गई। उत्तराखंड इस सूची में शामिल होने वाले नवनीतम राज्य है। एक देश-एक राशनकार्ड प्रणाली में सुधार को पूरा करने वाले राज्य सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 0.25 प्रतिशत अतिरिक्त उधार के योग्य हो जाते है। अब तक इसको अपनाने वाले राज्यों को वित्त मंत्रालय 37,600 करोड़ रुपए तक अतिरिक्त उधारी जुटाने की अनुमति दे चुका है। एक राष्ट्र-एक राशनकार्ड एक महत्वपूर्ण नागरिक केंद्रित सुधार है। इससे प्रवासी मजदूरों को राशन मिलने में आसानी होती है।

गाजियाबाद की फैक्टरी में लगी आग, 15 झुलसे

गाजियाबाद, (एजेंसी)। गाजियाबाद के साहिबाबाद में गुरुवार रात बैंडेज बनाने वाली एक फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग में 15 लोग झुलस गए। कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते देर रात तक राहत कार्य जारी रहा। छह झुलसे लोगों को मैक्स अस्पताल वैशाली में भर्ती कराया गया है। नौ को यशोदा अस्पताल भेजा गया है। इनमें तीन की हालत गंभीर होने पर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय समेत आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना के वक्त फैक्टरी में 40 से 50 लोग थे। देर रात एनडीआरएफ को भी बुला लिया गया।

दिनाकरण शिवकाशी सीट से लड़ेंगे चुनाव

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी रहीं एवं अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता वी के शशिकला के निकट रिश्तेदार एवं एएमएमके के संस्थापक और आर के नगर के विधायक टीटीवी दिनाकरण ने गुरुवार को घोषणा की कि वह इस बार दक्षिण विरुधुनगर जिले की शिवकाशी सीट से चुनाव लड़ेंगे। श्री दिनाकरण ने पार्टी के 50 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी करते हुए इस आशय का एलान किया। इससे पहले हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने प्रतिष्ठा वाली आर के नगर सीट से जीत हासिल कर राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की थी। सुश्री जयललिता ने दो बार आर के नगर का प्रतिनिधित्व किया था।

पहले शाही स्नान पर अखाड़ों ने लगाई डुबकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भगवान भोलेनाथ के महापर्व महाशिवरात्रि पर अध्यात्मनगरी हरिद्वार में शुरू हो रहे महाकुंभ का पहला शाही स्नान है। शाही स्नान की शुरूआत में जूना अखाड़ा, आह्वान अखाड़ा, अग्नि अखाड़ा और किन्नर अखाड़ा के करीब 22 लाख लोगों ने पौड़ी ब्रह्मकुंड में डुबकी लगाई। इसके बाद करीब 1 बजे निरंजनी अखाड़ा और आनंद अखाड़ा हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड पर स्नान करेंगे। इसके बाद करीब 4 बजे महानिवार्णी अखाड़ा और अटल अखाड़ा हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड पर स्नान करेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से फूलों की बारिश की जाएगी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ढेरों शुभकामनाएं।

नागा बाबा और साधुओं के शाही स्नान को देखते हुए आम श्रद्धालुओं को सुबह 7 बजे के बाद स्नान करने की अनुमति दी गई है। महाकुंभ के पहले स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से काफी चुस्त तैयारी देखने को मिल रही है। कोरोना वायरस को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। बता दें कि 7 बजे के बाद हर की पौड़ी क्षेत्र को खाली करवा लिया जाएगा, इसके बाद घाटों की सफाई की जाएगी। इस दौरान घाट पर किसी के भी आने जाने पर पाबंदी रहेगी।

महाकुंभ के शाही स्नान को देखते हुए सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। महाकुंभ के दौरान किसी भी तरह की भगदड़ की घटना से बचने के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस की तैनाती की गई है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पूरे मेला क्षेत्र को 3 सुपर जोन, 9 जोन और 25 सेक्टरों (1 जीआरपी तथा 1 यातायात के सेक्टर सहित) में बांटा गया है। हर जोन में एक अपर पुलिस अधीक्षक और सेक्टर में पुलिस उपाधीक्षक को नियुक्त किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की कोताही न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों को खास ट्रेनिंग भी दी गई है।

बता दें कि हरिद्वार कुंभ में महाशिवरात्रि के अवसर पर आज से शुरू हो चुके शाही स्नान को लेकर राज्य सरकार ने पहले ही एसओपी जारी कर दिया है। एसओपी के मुताबिक, शाही स्नान के लिए कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट और हेल्थ सर्टिफिकेट लाना जरूरी होगा। इसके बिना हरिद्वार में एंट्री नहीं मिलेगी। राज्य सरकार की एसओपी 12 मार्च तक लागू रहेगा। राज्य सरकार की एसओपी के मुताबिक, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए स्नान घाटों पर किसी भी तरह के भंडारे पर रोक रहेगी। यही नहीं, भीड़ लगाकर भजन गाने पर भी मनाही है। अगर किसी भी श्रद्धालु या फिर यात्री ने नियमों का उल्लंघन किया तो आपदा प्रबंधन महामारी एक्ट के तहत उस पर एक्शन लिया जाएगा।

नई शिक्षा नीति का मकसद, आधुनिक शिक्षा प्रणाली को लागू करना : कोविंद

चेन्नई, (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने छात्रों को सामाजिक बदलाव के प्रवर्तक के रूप में बदलने में शिक्षा की भूमिका को रेखांकित कर कहा कि अगर शिक्षित युवाओं को सही दिशा मिले, तब क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। अन्ना विश्वविद्यालय के 41वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, नई शिक्षा नीति का मकसद अनुसंधान और कौशल के आधार पर आधुनिक शिक्षा प्रणाली को लागू करना है।

इसमें भविष्य के दृष्टिकोण के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर शिक्षित युवाओं को सही दिशा मिले तब क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बताया गया है कि आज स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर के एक लाख से अधिक उम्मीदवार डिग्री प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं हैं। कोविंद ने कहा कि कुल छात्रों में से स्वर्ण पदक और प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वालों में आज 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं और यह बेहद खुशी की बात है।

उन्होंने कहा, महिलाओं का यह शानदार प्रदर्शन विकसित राष्ट्र के रूप में भारत के भविष्य को प्रदर्शित करता है। मैं इन बेटियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देता हूं, जो आगे अकादमिक और व्यक्तिगत दोनों स्तर पर भविष्य की प्रगति का मील का पत्थर है। कोविंद ने कहा कि अन्ना विश्वविद्यालय इसरो के साथ मिलकर एक उपग्रह अनुसैट का डिजाइन, विकास और संचालन करने वाला पहला भारतीय विश्वविद्यालय है।

देश में फिर लॉकडाउन की वापसी

नागपुर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के बाद नागपुर के शहरी इलाके में 15 मार्च से पूरी तरह से लॉकडाउन लगेगा। जिले के प्रभारी मंत्री नितिन राउत ने कहा है कि शहरी इलाके में 15 से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन लगाया जाएगा। केवल आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। इससे पहले पिछले महीने से ही सात मार्च तक जिले के सभी सकूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए थे। वहीं, बाजारों को शनिवार और रविवार को खोलने की अनुमति थी, लेकिन अब पूरी तरह से लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी गई है। राज्य में पहले से ही सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में जमावड़े पर रोक लगी हुई है। महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना संक्रमण के इस साल एक दिन में सबसे अधिक 13,659 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2252057 हो गई। स्वास्थ्य अधिकारी ने इसकी जानकारी देकर कहा कि 54 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या 52,610 हो गई है। वहीं, नागुपर में कोरोना संक्रमण के अभी तक कुल 243726 मामले सामने आ चुके हैं। जिले में महामारी से अभी तक 4,877 लोगों की मौत हुई है। राज्य में पिछले साल आठ अक्टूबर को कोरोना संक्रमण के 13,395 मामले सामने आए थे। उसके बाद से संक्रमण के दैनिक मामलों में गिरावट देखी जा रही थी।

अस्पताल से वीडियो जारी कर ममता ने की शांति की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अस्पताल से ही अपने समर्थकों के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया है। ममता बनर्जी ने वीडियो में कहा है कि बुधवार को हमले में उन्हें काफी गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें हाथ-पैर में काफी दर्द हो रहा है। ममता बनर्जी ने कहा है कि वो कुछ दिनों में बाहर आएंगी और व्हीलचेयर पर कैंपेन करेंगी।

वीडियो में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनके सिर में भी काफी दर्द है। बीते दिन जब मैं लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रही थी, तब उनके पैर में चोट लग गई। ममता बनर्जी ने समर्थकों से अपील की है कि वो सभी शांति बनाएं रखें, उन्हें उम्मीद है कि वो जल्द ही अस्पताल से बाहर आ जाएंगे। ममता ने कहा कि भले ही उनके पैर में दिक्कत हो, लेकिन वो मैनेज करेंगी और व्हीलचेयर पर भी प्रचार करेंगी।

बोली, दो से तीन दिन में आपके बीच में लौट आऊंगी

राजनीति में उबाल

- ममता बनर्जी पर 'हमले' से भड़के तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता, ट्रेनें रोकीं, बीजेपी के खिलाफ नारेबाजी की। अब 'शांति मार्च' निकालेंगे, काली पट्टी से बंद रखेंगे मुंह।
- तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमले को लेकर चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा। तृणमूल कांग्रेस ने ममता बनर्जी के बुधवार को कथित हमले में घायल होने की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की चुनाव आयोग से मांग की है।
- भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस घटनाक्रम के कई प्रत्यक्षदर्शी गवाह, जो ज्यादा बेहतर जानते हैं। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि ऐसा हो सकता है कि उनके साथ एक दुर्घटना हुई हो लेकिन इस आशय का दावा स्वीकार्य नहीं होगा कि उन्हें जानबूझकर धक्का दिया गया है।
- भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा, हम अनुरोध करते हैं कि इसकी विस्तार से जांच के आदेश दिए जाएं और साथ ही वीडियो फुटेज सार्वजनिक किया जाए।
- पश्चिम बंगाल भाजपा उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने ममता पर आरोप लगाते हुए तंज कसा है कि जिसने भी ममता बनर्जी को धक्का मारा है, सैटेलाइट से उसकी पहचान की जाए।
- चुनाव आयोग ने टीएमसी के इस आरोप का खंडन किया है कि पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था आयोग ने नियंत्रण में ले ली है। आयोग ने कहा कि इस घटना की जांच की जरूरत है। निष्पक्ष चुनाव कराना हमारी प्राथमिकता है।

भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं : राहुल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। फ्रीडम हाउस के बाद वी-डेमोक्रेसी नाम की संस्था की तरफ से जारी रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब लोकतांत्रिक देश नहीं रहा। उन्होंने ट्वीट किया, भारत अब लोकतांत्रित देश नहीं रहा। राहुल ने जिस खबर के स्क्रीनशॉट को शेयर किया है, उसमें वी-डेमोक्र्सी (वरायटीज ऑफ डेमोक्रेसी) की तरफ से जारी रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि भारत अब उतना ही तानाशाही वाला देश बन चुका है, जितना पाकिस्तान है। रिपोर्ट में भारत को बांग्लादेश से भी खराब बताया गया है।

अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट के एक हफ्ते बाद ही स्वीडिश संस्था वी-डेमोक्रेसी ने भी भारत में लोकतंत्र की स्थिति पर चिंता जाहिर की है। वी-डेमोक्रेसी ने भारत को इलेक्टोरल ऑटोक्रेसी यानी चुनावी तानाशाही वाले देशों की सूची में शामिल किया है। पिछले हफ्ते फ्रीडम हाउस ने डेमोक्रेसी अंडर सीज नाम से जारी अपनी रिपोर्ट में भारत को आंशिक रूप से स्वतंत्र श्रेणी में रखा था। भारत सरकार ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया देकर रिपोर्ट को भ्रामक, गलत और अनुचित करार देकर खारिज किया है।

ऑटोक्रेटाइजेशन गोज वायरल शीर्षक की अपनी रिपोर्ट में वी-डेमोक्रेसी ने भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के दर्जे से हटाकर चुनावी तानाशाही वाला देश बताया है। इसके लिए मीडिया पर अंकुश, मानहानि और राजद्रोह कानूनों का हद से ज्यादा इस्तेमाल को वजह बताया गया है। वी-डेमोक्रेसी की सालाना रिपोर्ट में भारत 2013 में सबसे ज्यादा 0.57 (शून्य से एक के बीच स्केल) स्कोर हासिल किया था जबकि 2020 के लिए यह स्कोर महज 0.34 है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेंसरशिप के मामले में भारत पाकिस्तान इतना ही निरंकुश है। वह अपने पड़ोसी देशों बांग्लादेश और नेपाल से भी बुरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी की अगुआई वाली सरकार अपने आलोचकों को चुप कराने के लिए राजद्रोह, मानहानि और काउंटर टेररिज्म के कानूनों का इस्तेमाल कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से अब तक 7 हजार से ज्यादा लोगों के खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज हुआ है।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद चेन्नई में अन्ना विश्वविद्यालय के 41 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान एक छात्र को एक प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए।

बिहार में शराबबंदी पर हमलावर हुए तेजस्वी, बोले- सीएम नीतीश सबसे बड़े शराब माफिया, उनके रूरुलगाते नशे में ठुमके

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि राज्य में शराबबंदी फ्लॉप है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पार्टी, प्रशासन व सरकार पर कंट्रोल है, लेकिन शराबबंदी फेल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के सबसे बड़े शराब माफिया हैं। बिहार में शराब 20 हजार करोड़ का अवैध कारोबार बन गया है। यह सर्वाधिक मुनाफे का धंधा बन गया है। नीतीश कुमार की सरकार में सत्ताधारी दल के कई विधायक भी नशे में बार बालाओं संग ठुमके लगाते देखे जा चुके हैं। सरकार बड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं कर रही, केवल गरीबों-मजदूरों पर कार्रवाई कर रही है।

गरीबों को कर रहे परेशान, मंत्री बेच रहे शराब- भारतीय जनता पार्टी नेता व नीतीश सरकार में मंत्री रामसूरत राय के भाई के घर से शराब की बरामदगी पर तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शराबबंदी कानून का मजाक बना दिया है। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार से मंत्री रामसूरत राय को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वंचित समाज के लोगों को ही शराबबंदी कानून से परेशान किया जा रहा है। उन्हें जेल भेजा जा रहा है। जबकि, मंत्री और अधिकारी शराब बेच रहे हैं।तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार इस राज्य के सबसे बड़े शराब माफिया हैं, क्योंकि उनकी जानकारी में ही सबकुछ हो रहा है। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। मंत्री रामसूरत राय के घर से शराब पकड़ी गई है। जमीन उनके पिता की है। उनके भाई पर एफआइआर है तो वे गुनाहगार हैं। उन्हें सरकार में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

बिहार की नीतीश सरकार के 64 फीसद मंत्री दागी-तेजस्वी ने कहा कि नीतीश सरकार के 64 फीसद मंत्री दागी हैं। नीतीश कुमार को तो पता नहीं रहता। जबकि, तमाम मंत्री एफेडेविट देकर चुनाव जीते और मंत्री बने हैं।

स्टडी में दावा:खेलों में महिला-पुरुष भेदभाव मिट रहा, 90फीसदी स्पोर्ट्स में प्राइज मनी बराबर हुई, क्रिकेट में यह बदलाव सबसे तेजी से दिख रहा

किन्टाल। दुनिया के तकरीबन सभी क्षेत्रों में महिलाएं भेदभाव का सामना करती हैं। पर खेल जगत ने इस अंतर को पाटने की कोशिश हुई है और यह बहुत हद तक सफल भी रही है। महिलाओं को अधिकांश खेलों में मिलने वाली प्राइज मनी अब पुरुषों के समान ही हो गई है। बीबीसी की ताजा स्टडी से पता चलता है कि 48 में से 37 खेलों में अब महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों जितनी ही प्राइज मनी मिलने लगी है। यानी 90फीसदी खेलों के बड़े मुकाबलों में समान राशि दी जाने लगी है। सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट में दिखाई दिया है। 2021 में होने जा रहे 'द 100' टूर्नामेंट में पुरुष-महिलाओं के लिए समान प्राइज मनी (1.52 करोड़) रखी गई है। बिग बैश लीग में तो 2017-18 में ही यह कर दिया गया था।

2020 के टी-20 वुमन वर्ल्ड कप में 7.29 करोड़ रुपए दिए, इतने ही पैसे पुरुषों को 2021 के टूर्नामेंट में जीतने पर मिलेंगे। इसी तरह 2022 के वुमन वर्ल्ड कप के लिए 25.53 करोड़ राशि तय है। 2017 में कुल तय राशि 14.59 करोड़ में से इंग्लैंड की महिला टीम ने 4.81 करोड़ रुपए जीते थे। जबकि पुरुष टीम ने 2019 में कुल फंड 72.93 करोड़ रुपए में से 29.17 करोड़ रुपए जीते थे। हालांकि खेलों में भेदभाव मिटाने की शुरुआत 60 के दशक में ही हो गई थी। तब से अब तक बदलाव जारी हैं। इन खेलों में भेदभाव कायमः 2019 का वुमन फुटबॉल वर्ल्ड कप 112 करोड़ ने देखा, पर इसमें प्राइज मनी पुरुषों की तुलना में 9 गुना कम थी। 2018 में फ्रांस की पुरुष टीम ने 277 करोड़ रु. जीते थे, जबकि अमेरिकी महिला टीम को 29 करोड़ मिले थे। इसी तरह गोल्फ में पिछली दो बड़ी चैंपियनशिप में पुरुषों को 14.19 करोड़ जबकि महिला खिलाड़ियों को 4.68 करोड़ और 4.19 करोड़ रुपए मिले थे।

मैक्सिको में हिंसा: अपराध से त्रस्त महिलाओं का सब्र टूटा; पुलिस पर हमला, 62 पुलिसकर्मियों समेत 81 महिलाएं जख्मी

मालबा। मैक्सिको में महिलाओं से अपराध के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। ये प्रदर्शन महिलाओं ने किया। दरअसल, राष्ट्रपति लोपेज ओब्राडोर दुष्कर्म के आरोपी नेता का बचाव कर रहे हैं। उनके इस रुख से देशभर में गुस्सा है। ओब्राडोर से पद छोड़ने की मांग को लेकर महिलाएं सोमवार को राष्ट्रपति भवन (नेशनल पैलेस) का घेराव करने निकलीं।सुरक्षाबल न रोक सकें, इसके लिए वे लाइटर, छोटे गैस सिलेंडर जैसी आगजनी की चीजें, ब्लेड और हथौड़े लेकर आई थीं। जैसे ही पुलिस ने उन्हें रोका, वे भड़क गई। उन्होंने पुलिस पर हमला किया। वहीं कुछ ने आगजनी की। पुलिस ने भी आंसू गैस के गोले दागे। घटना में 62 पुलिसकर्मियों समेत 81 महिलाएं जख्मी हो गई।

रोज 10 महिलाओं का कत्लः मैक्सिको उन देशों में शुमार है, जहां महिलाओं से सबसे ज्यादा अपराध होते हैं। पिछले साल ही यहां औसतन रोजाना 10 महिलाएं मारी गईं, जबकि 16 हजार दुष्कर्म का शिकार हुईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता में आने और प्रवासियों के लिए दरवाजे खोलने के ऐलान के बाद मैक्सिको से लगी सीमा पर प्रवासियों की भीड़ बढ़ रही है। इसने बाइडेन प्रशासन के माथे पर बल ला दिया है। क्योंकि ट्रम्प की पॉलिसी रद्द करने के बाद पहले चरण में 25 हजार लोगों को प्रवेश दिया जाना है। यह सूची अब तक अंतिम रूप नहीं ले सकी। दूसरी तरफ, मध्य अमेरिकी देशों से भागकर आए लोगों के बच्चे लगातार घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं। बीते दो हफ्ते में ऐसे प्रयास करते 3250 से ज्यादा बच्चों को पकड़कर हिरासत केंद्रों में भेजना पड़ा। दिक्कत ये है कि जेल जैसे हालात के चलते इन केंद्रों पर बच्चों को 3 दिन रखा जा सकता है। प्रवासियों की ओर से मैक्सिको सीमा से अमेरिका में दाखिल होने के लिए जनवरी से अब तक 78 हजार प्रयास हो चुके हैं। यह संख्या बीते साल इसी अवधि के मुकाबले दो गुना है। जबकि जनवरी में एक दशक में सबसे ज्यादा है।

कोरोना वैक्सीन की चोरी बड़ी चुनौती-जेम्स बॉन्ड अंदाज में की जा रही कार्गो की सुरक्षा; किल स्विच, पैनिक बटन तक लगवाए

मालबा। दुनियाभर में पैर पसार चुके कोरोना से निपटने के लिए टीकाकरण चल रहा है। अब सबसे बड़ी चुनौती वैक्सीन पहुंचा रहीं कंपनियों की है। वजह है- डोज पहुंचाते समय चोरी या लूट की आशंका। बताया गया है कि डोज लदे कार्गो की कीमत 7 करोड़ डॉलर (500 करोड़ रुपए) पहुंच गई है। चोरी रोकने के लिए शिपिंग कंपनियों ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल शुरू किया है। अतिरिक्त कर्मचारियों के साथ 007 जैसे डिजिटल स्पाइक्राफ्ट (जासूसी ड्रोन) लगा रही हैं। नीदरलैंड्स एच एसर्स ने फाइजर वैक्सीन के लिए सबसे अनुभवी ड्राइवर्स को चुना है। वहीं, मॉडर्ना और सिनोवैक पहुंचा रही स्विटजरलैंड्स की कुहने+नेगल ने अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए हथियारबंद जवानों का पहरा लगा दिया है। इसके साथ ही ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी की मदद ले रही है। उधर, जर्मन एयरकार्गो ट्रांसपोर्ट जीएमबीएच वैक्सीन लदे कार्गो वाहनों के दरवाजों में अलार्म फिट किए गए हैं। इनमें घास काटने की मशीन जैसी कानफोडू आवाज निकलती है।

पाकिस्तान को मिलेगा कोरोना का भारतीय टीका

GAVI समझौते के तहत मुफ्त भेजी जाएगी कोवीशील्ड वैक्सीन, इसी महीने होगी 1.6 करोड़ डोज की डिलीवरी

इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान को कोरोना की मेड इन इंडिया वैक्सीन मुफ्त मिलेगी। पाकिस्तान को ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सीन्स एंड इम्युनाइजेशन समझौते के तहत वैक्सीन सप्लाई होगी। इसके जरिए पाकिस्तान को वैक्सीन के 1.6 करोड़ (16 मिलियन) डोज दिए जाएंगे।

पाकिस्तान के साथ सितंबर 2020 में GAVI समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दुनिया के कई देशों को वैक्सीन मुहैया कराई जाएगी। पाकिस्तान को इसी महीने वैक्सीन की डिलीवरी कर दी जाएगी।

टीकाकरण के लिए फ्री वैक्सीन का इंतजार

पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने वहां की पब्लिक अकाउंट्स कमेटी को बताया कि देश में टीकाकरण के लिए GAVI के तहत मिलने वाली फ्री वैक्सीन का इंतजार किया जा रहा है। अभी चीनी कंपनी की कैनसिनो बायो वैक्सीन की हर डोज के लिए 13 डॉलर यानी करेबी 2000 पाकिस्तानी रुपए का भुगतान करना होता है।

पाकिस्तान ने 4 वैक्सीन को मंजूरी दी

पाकिस्तान ने देश में चार वैक्सीन को मंजूरी दी है। इनमें ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोवीशील्ड के अलावा चीन की सिनोफाम और कैनसिनो बायो और रूस की स्पूतनिक-वी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान में 2.7 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। इनमें फ्रंट लाइन वर्कर्स और सीनियर सिटीजन शामिल हैं।

भारत ने 65 देशों को कोरोना वैक्सीन भेजी

भारत ने दुनियाभर के 65 देशों को कोरोना वैक्सीन भेजी हैं। कई देशों को वैक्सीन फ्री दी गई है, जबकि कुछ देशों को इसे बेचा गया है। पड़ोसी देशों श्रीलंका, भूटान, मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार और सेशेल्स को करीब 56 लाख वैक्सीन फ्री में दी गई हैं। भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोवीशील्ड और भारत बायोटेक कोवैक्सिन का प्रोडक्शन कर रही हैं।

जनवरी से मार्च तक 70फीसदी बढ़े भाव

सोना-चांदी नहीं, रोडियम ने निवेशकों को किया मालामाल, एक आउंस की कीमत में मिल सकती है लग्जरी एसयूवी

वाशिंगटन। बीते कुछ महीनों में किस धातु ने निवेशकों को मालामाल किया है? ज्यादातर लोगों का जवाब सोना, चांदी या प्लेटिनम होगा। लेकिन इसका सही जवाब है रोडियम। इसकी कीमत पिछले दो महीनों में 70 फीसदी बढ़ चुकी है। यही नहीं, रोडियम दुनिया की सबसे महंगी धातु भी है। इसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि एक आउंस रोडियम की कीमत में एक अच्छी खासी एसयूवी खरीदी जा सकती है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स वेबसाइट के मुताबिक, इस साल एक जनवरी से लेकर मार्च के पहले सप्ताह तक रोडियम के दामों में 70 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। यह किसी भी कमोडिटी में अब तक की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक ट्रॉय औंस (31.10 ग्राम) रोडियम की कीमत 29,200 डॉलर यानी (21 लाख 30 हजार रुपए से अधिक) है।

जबकि एक आउंस सोने की कीमत लगभग 1 लाख 24 हजार रुपए और एक आउंस प्लेटिनम के दाम 84920 रुपए हैं। बीते 5 वर्षों में रोडियम के दाम 56 गुना तक बढ़ चुके हैं। यानी अगर 5 साल पहले किसी ने रोडियम में 1 लाख रुपए का निवेश किया होता, तो आज उसके निवेश की कीमत 56 लाख रुपए होती। रोडियम संक्रमण धातु समूह का सदस्य है। यह चांदी जैसा सफेद, कठोर और टिकाऊ होता है। इसमें कम विद्युत प्रतिरोध और स्थिर संपर्क प्रतिरोध होता है। यह जंग के लिए अत्यधिक प्रतिरोधी है।

ऑटोमोटिव सेक्टर में रोडियम की डिमांड तेज होने से बढ़ रहे हैं दामः रोडियम के लगातार बढ़ते दामों के पीछे ऑटोमोटिव सेक्टर में इसकी बढ़ती डिमांड और इसके अनुपात में सप्लाई की कमी प्रमुख वजह है। रोडियम का इस्तेमाल कारों और अन्य वाहनों के साइलेंसरों में कैटेलिटिक कन्वर्टर में प्रदूषण कम करने के लिए होता है। दुनियाभर में प्रदूषण उत्सर्जन मानक काफी कठोर होने की वजह से इसकी डिमांड काफी बढ़ गई है।

कोरोना दुनिया में: ब्राजील में करीब 2,000 संक्रमितों की मौत

यहां यह एक दिन में जान गंवाने वालों का सबसे बड़ा आंकड़ा

ब्राजील। ब्राजील में कोरोना का कहर जारी है। यहां पिछले 24 घंटे में 1972 संक्रमितों की मौत हुई है। यहां इस महामारी से एक दिन में जान गंवाने वालों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है।इससे पहले इसी महीने 3 मार्च को 1840 लोगों की मौत हुई थी।

पिछले 24 घंटे में ब्राजील में कोरोना के 70,764 नए केस सामने आए हैं। यह दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। यहां अब तक कोरोना से 1.12 लोग संक्रमित हो चुके हैं। 98.43 लाख ठीक हुए हैं और 1.68 लाख लोगों की मौत हुई है। यह फोटो ब्राजील की है। यहां अब ह्र दिन अमेरिका से भी ज्यादा कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। मार्च के पहने 9 दिनों में यहां महामारी की वजह से 13 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

ओलिंपिक में विदेश दर्शकों की एंट्री बैन

जापान की सरकार ने कोरोना की वजह से टोक्यो ओलिंपिक और पैरालिंपिक में विदेशी दर्शकों की एंट्री पर रोक लगा दी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, 25 मार्च को

होने वाली टॉर्च रीले की ओपनिंग सेरेमनी में भी दर्शकों को आने की अनुमति नहीं होगी।

एस्ट्राजेनेका की पहली खेप अफगानिस्तान पहुंची

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से कोरोना वैक्सीन की 4.68 लाख डोज की पहली खेप अफगानिस्तान पहुंच गई। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुंदजे ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उन्होंने इसके लिए भारत का आभार जताते हुए कहा कि इन टीकों से हमें जीवन बचाने और वायरस का फैलाव रोकने में मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के हेल्थ मिनिस्टर को कोरोना

ऑस्ट्रेलिया के हेल्थ मिनिस्टर ग्रेग हंट को संक्रमण के बाद हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हंट को वीकेंड पर एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन लगाई गई थी। हंट के ऑफिस ने बयान जारी कर बताया कि उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है और एंटीबायोटिक्स के साथ लिक्विड डाइट दी जा रही है।

दुनिया में मरीजों की संख्या 11.81 करोड़ से ज्यादा

दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.81 करोड़ से ज्यादा हो गया। 9 करोड़ 38 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 26 लाख 21 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर दुनिया में 3.85 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए और 8,000 से ज्यादा मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

दो इलाकों में बंटा देश: नाइजीरिया में टमाटर की एक टोकरी से शुरू हुआ झगड़ा तो दो गुट भिड़े

अब तक 20 लोगों की हो चुकी है मौत

नाइजीरिया। टमाटर की एक टोकरी की वजह से नाइजीरिया में अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात ये हैं कि अफ्रीका में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला यह देश अब उत्तर और दक्षिणी इलाके में बंट गया है। दरअसल, बीते महीने एक व्यक्ति टोकरी में टमाटर लेकर दक्षिण-पश्चिमी शहर इबादान के मार्केट जा रहा था। इस बीच, एक्सीडेंट होने से टमाटर रास्ते में फैल गया। इस पर नजदीकी दुकानदारों और कुलियों से उसकी बहस हुई, जो इतनी बढ़ गई कि मारपीट में बदल गई।

सोशल मीडिया पर घटना के बारे में बताया गया कि एक कुली की मौत हो गई है। इस पर समुदाय में तनाव फैला और देखते-देखते देश उत्तर के मुस्लिमों और दक्षिण के क्रिश्चियन लोगों में बंट गया। घटना के महज 4 घंटे बाद इस तनाव ने हिंसक रूप ले लिया। कई इलाकों में मारपीट और दुकानें जलाने की घटनाएं हुईं। इस हिंसा में 20 लोगों की मौत हो गई। हजारों लोगों को भागने पर मजबूर होना पड़ा। इधर, चरवाहों और व्यापारियों के प्रदर्शन ने खाद्य सामग्रियों की सप्लाई रोक रखी है।

सोशल मीडिया पर घटना के बारे में बताया गया कि एक कुली की मौत हो गई है। इस पर समुदाय में तनाव फैला और देखते-देखते देश उत्तर के मुस्लिमों और दक्षिण के क्रिश्चियन लोगों में बंट गया।

नाइजीरिया के सबसे बड़े शहर लागोस में मीट उपलब्ध नहीं है। टमाटर की कीमत भी बढ़ गई है जिससे अधिकांश घरों में पारंपरिक जोलोफ राइस (नाइजीरिया का प्रमुख भोजन) नहीं बन पा रहा है। वहीं उत्तर में, जहां सबसे ज्यादा प्याज और टमाटर होता है, ज्यादातर किसानों को अपनी फसल या तो फेंकनी पड़ रही है या वो वैसे ही खेत में पड़ी सड़ रही है।

पहली QUAD समिट 12 मार्च को: मोदी-बाइडेन के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के पीएम हिस्सा लेंगे

भारत में वैक्सीन निर्माण बढ़ाने के लिए फाइनेंसिंग एग्रीमेंट हो सकता है

वाशिंगटन। क्वाड्रीलैटरल फेमवर्क यानी क्वाड के लीडर्स की पहली बैठक 12 मार्च को होने वाली है। यह समिट वर्चुअल होगी। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन शामिल होंगे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, समिट में भारत में कोरोना वैक्सीन के उत्पाद को बढ़ाने के लिए फाइनेंसिंग एग्रीमेंट का ऐलान किया जा सकता है। सीनियर रू एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिशियल ने अपना नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एग्रीमेंट का फोकस भारत में उन कंपनियों और संस्थानों पर होगा, जो अमेरिकी दवा निर्माता नोवावेक्स Inc और जॉनसन एंड जॉनसन के लिए वैक्सीन बनाते हैं।

कोरोना पर भी होगी चर्चा

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरान नेताओं के बीच कोरोना पर काबू पाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा करेंगे। वहीं, इंडो-पेसेफिक रीजन में सुरक्षित और सस्ती वैक्सीन सुनिश्चित करने के रास्ते को तलाशने की कोशिश करेंगे।

इन मुद्दों पर भी हो सकती है चर्चा

चारों देशों के नेता साझा हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को लेकर चर्चा करेंगे।

समिट में इंडो-पेसेफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है। इंडो-पेसेफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखने की दिशा में सहयोग के व्यावहारिक क्षेत्रों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

समिट में कई समकालीन चुनौतियों जैसे उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, समुद्री सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर भी बात होगी।

8 फरवरी को हुई थी विदेश मंत्रियों की बैठक

QUAD के विदेश मंत्रियों की बैठक इस साल के फरवरी में की गई थी, जो पिछले साल के बाद

इस तरह की तीसरी बैठक थी। 8 फरवरी को हुई बैठक के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान भी जारी किया गया था।

क्या है QUAD?

QUAD यानी क्वाड्रीलैटरल सिक्टोरिटी डायलॉग में भारत के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका शामिल हैं। इसका मकसद है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति स्थापित हो और किसी तरह का युद्ध न हो। 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने इसका प्रस्ताव रखा था। भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने इसका समर्थन किया था। 2019 में इन देशों के विदेश मंत्रियों की पहली बैठक हुई थी।

कोरोना वैक्सीनेशन की बढ़ती रफ्तार: दुनिया में 100 से ज्यादा देशों ने अपने लोगों को वैक्सीन के 30 करोड़ से अधिक डोज लगाए, भारत चौथे नंबर पर

ब्रिटेन। दुनिया में 100 से ज्यादा देश तेजी से अपने लोगों को कोरोना वैक्सीन लगा रहे हैं। मंगलवार तक दुनिया में कुल 30 करोड़ से ज्यादा डोज लगाए जा चुके हैं। हालांकि, वैक्सीनेशन में अमीर देश ही आगे हैं। गरीब देशों के लिए टीके की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

भारत अपने नागरिकों को कुल डोज लगाने के मामले में दुनिया में चौथे स्थान पर है। लेकिन आबादी को देखते हुए डोज प्रति 100 व्यक्ति के औसत के लिहाज काफी पीछे है। डोज प्रति 100 व्यक्ति वैक्सीन लगाने में अमेरिका का औसत 27.3 और ब्रिटेन का 35.2 है।

वहीं, भारत का औसत मात्र 1.5 है। डोज प्रति 100 व्यक्ति डोज के औसत के हिसाब से इजरायल 101 की औसत के साथ सबसे आगे है। भारत ने अब तक 2 करोड़ से ज्यादा डोज लगा दिए हैं। वहीं, अमेरिका 9 करोड़ डोज के साथ पहले स्थान पर हैं। चीन 5 करोड़ कुल डोज लगाकर दूसरे नंबर पर है लेकिन उसके आंकड़ों पर शंका जताई जा रही है।

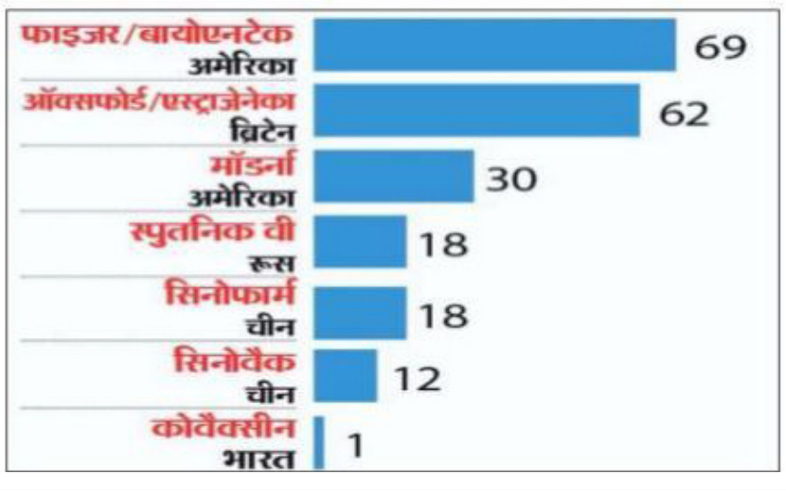

विशेषज्ञों का कहना चीन विस्तार से और स्पष्ट आंकड़े नहीं दे रहा है। लिहाजा कोरोना वायरस के मामलों जैसे उसके वैक्सीनेशन के भी आंकड़े संदेहास्पद लग रहे हैं। चीन की वैक्सीन के प्रभाव को भी लेकर सवाल उठते रहे हैं।

अमेरिका टीके का सभी डोज ले चुके लोग एक जगह बिना मास्क के रह सकते हैं

अमेरिका में वैक्सीन लगना चुके लोग बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के रह सकते हैं। सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने नई गाइडलाइन जारी की है। जिन लोगों ने वैक्सीन की पूरी डोज ले ली है वे बंद स्थानों पर बिना मास्क के भी साथ रह सकते हैं।

दुनिया भर में अभी 200 से ज्यादा कोरोना वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है

दुनिया भर में अभी 200 से ज्यादा वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। उनके असर और सुरक्षा का परीक्षण किया जा रहा है। भारत में भी सात और वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। इजरायल और ब्रिटेन में कोरोना वैक्सीन के कारण मौतें और नए केस में बड़ी कमी आई है।

इस साल के अन्त तक कमजोर देशों को वैक्सीन के 2 अरब डोज देने की योजना

कोवैक्स का लक्ष्य इस साल के अन्त तक कमजोर देशों को वैक्सीन के 2 अरब डोज देने की है। भारत दूसरे देशों को टीका देने में सबसे आगे है। अब तक 60 से ज्यादा देशों को भारत टीका दे चुका है। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को दो लाख डोज दिए हैं।

स्टडी: ब्राजील वाले नए स्ट्रेन पर फाइजर की वैक्सीन प्रभावी

एक स्टडी में दावा किया गया है कि अमेरिकी कंपनी फाइजर और चीनी कंपनी सिनोविक की वैक्सीन ब्राजील में पाए गए कोरोना के नए स्ट्रेन पर असरदार हैं। न्यू इंग्लैंड जर्नल की लैब स्टडी में यह दावा किया गया। यह स्ट्रेन सबसे पहले ब्राजील में पाया गया था। इससे पहले रिसर्चर्स ने यह टीका ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट पर भी असरदार पाया था। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी वैरिएंट पर इसका असर कुछ कम बताया गया था। उधर, ब्राजील में किए गए कुछ अध्ययनों में चीनी कंपनी सिनोविक बायोटेक के टीके को पी1 स्ट्रेन पर असरदार होने का दावा किया गया है।

विपक्ष ने बजट सत्र के दौरान फिर उठाया लो फ्लोर बस खरीद मामला

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के दौरान बीजेपी विधायक ने बसों की खरीद के कथित घोटाले के मामले को उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले 3 दिन से लगातार विपक्ष दिल्ली सरकार द्वारा 1000 सीएनजी लो फ्लोर बसों की खरीद में हुई अनियमितता की तरफ सदन का ध्यान दिलाना चाह रहा था। पिछले काफी समय से कोई बस नहीं खरीदी गई और जब 1000 बसें खरीदी गई तो

उसमें भारी घोटाला है। उन्होंने कहा कि? 875 करोड़ रुपये की कीमत से बसें खरीदी गई। इसमें 3 साल की वारंटी है और 3 साल तक बस कम्पनी के साथ 2 लाख 10 हजार किलोमीटर तक वारंटी है। जब बस का टेंडर किया गया तो एनुअल मेंटिनेंस कॉन्ट्रैक्ट को टेंडर के साथ नहीं जोड़ा गया था। 3-4 महीने के बाद एक और टेंडर निकाला गया जिसमें 3500 करोड़ रुपये का कंपनी के साथ एएमसी (एनुअल मेंटिनेंस कॉन्ट्रैक्ट) के लिए करार किया जाता है। विजेंद्र गुप्ता के आरोप पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का सदन में जवाब देते हुए कहा कि पिछले 3-4 दिन से ऐसा एक माहौल पैदा करने की कोशिश की जा रही है जैसे बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। विजेंद्र गुप्ता की ये हॉबी है कि जब भी बसों की खरीद की बात होती है तब एसीबी में कम्प्लेन डालेंगे फिर सब जांच एजेंसियों को भेजेंगे, लेकिन ये कुछ भी कर लें। जब तक अरविंद केजरीवाल की सरकार है हम बसें खरीदेंगे। आपको जो करना है कर लो। हमारा नारा था हम राजनीति करने नहीं राजनीति को बदलने आए हैं। विजेंद्र गुप्ता के लिए मंत्री ने कहा कि काला अक्षर भैंस बराबर इनकी हालत ये है। ये नहीं पता कि लिखा क्या है बस कह दिया की घोटाला हो गया। जहां गंभीर चर्चा होती है वहां टुच्ची राजनीति करने बैठे हैं। उन्होंने कहा कि मैं बताऊंगा की कैसे 225 करोड़ रुपए बचाए।

मंत्री ने बताया कैसे बचाए करोड़ों रुपये

11 जुलाई 2019 में कैबिनेट निर्णय हुआ कि डीटीसी हजार बसें खरीदेगी, जो बसे खरीदी जाएंगी उसके साथ-साथ एक व्यापक वार्षिक मेंटिनेंस कॉन्ट्रैक्ट होगा, जिसको ये एएमसी कह रहे हैं। कंपीटिटिव बोली के लिए टेंडर निकाला गया।

दो अलग टेंडर होंगे और दोनों टेंडर उस तालमेल से कोट किए जाएंगे कि जब बसे आ जाएं तो एक भी दिन ऐसा न हो कि कोई भी बस बिना मेंटीनेंस के हो।

-20 मार्च 2020 में टेंडर 1000 बसों कोट किया

-19 अगस्त 2020 को कॉम्प्रिहेंसिव एएमसी टेंडर किया

-14 अक्टूबर 2020 को एएमसी की बिड्स खोलीं

बस देने वाली कम्पनी चंद ही हैं, जो भी बसें देने के टेंडर में पार्टिसिपेट करेगा उसको एएमसी के टेंडर में भी पार्टिसिपेट करेगा। ये टेंडर का हिस्सा है, जिसे ये वारंटी कह रहे हैं। पहले डीटीसी की जितनी भी बसें थी उसे डीटीसी मेंटेन किया करती थी, लेकिन लो फ्लोर बसें आनी शुरू हुईं इसका मेंटिनेंस डीटीसी के स?टॉफ खुद करते हैं। 71 आइटम्स ऐसे हैं जो वारंटी में कवर नहीं होते। सिर्फ सीएनजी को छोड़कर दिल्ली सरकार या डीटीसी कुछ नहीं देती, हर एक चीज एएमसी अलग से देती है। अगर हमे ये पक्का करना है कि 92 फीसदी बसें जो सड़क पर निकलें वो अच्छी हालत में हों इसके लिए वारंटी पीरियड में ये सारी चीजें कवर नहीं होती, जिसे हम एएमसी कहते हैं। एएमसी का एल1 रेट आया 48.50 रुपए, दूसरा रेट आया 49.29 रुपए। हमने उनसे कहा इसको दोबारा देखा। 48.50 से खरीद फरोख्त करके 45.50 पर लेकर आए। 3 रुपए कम किए और एक बस की अगर अपनी लाइफ में साढ़े 7 लाख किलोमीटर चलती है तो हमने करीब 225 करोड़ रुपए बचाए।

गुरूद्वारा बंगला साहिब परिसर में आधुनिक मशीनों से लैस डायगनोस्टिक सेंटर हुआ शुरु

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। अगर आप दिल्ली में रहते हैं और किसी बीमारी के कारण अपना सीटी स्कैन या एमआरआई करवाना चाहते है और आपके इसका खर्च उठाने करने में असमर्थ है तो ये ख़बर आपके लिए है। अब दिल्ली में एमआरआई और सीटी-स्कैन करवाने के लिए सिर्फ 50 रुपये खर्च करने होंगे। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इसके लिए गुरुद्वारा बंगला साहब में एक सेंटर तैयार किया गया है, जिसे 'टेस्ट का लंगर' नाम दिया गया है। आपको बता दें कि इससे पहले इसी कमेटी ने दिल्ली के बाला साहिब गुरुद्वारे में मुफ्त डायलेसिस सेंटर शुरू किया गया था, जिसमें 101 बेड्स की व्यवस्था की गई है। बंगला साहिब गुरुद्वारे में शुरू किए गए इस टेस्ट सेंटर में बीपीएल कैटेगरी के लोगों को एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे के लिए 50 रुपये देने होंगे और अगर वो 50 रुपये देने में भी असमर्थ है तो उसका टेस्ट मुफ्त किया जाएगा। सेंटर का उद्घाटन दिल्ली गुरूद्वारा कमेटी के अध्यक्ष स.मनजिंदर सिंह सिरसा व महासचिव हरमीत सिंह कालका ने किया।

उद्घाटन से पहले अकाल पुरख के आगे अरदास करते हुए शुक्रिया अदा किया गया। इस मौके पर मौजूद संगत को संबोधित करते हुए स. सिरसा ने कहा कि गुरू हरिकृष्ण इंस्टीटयूट ऑफ मैडिकल साईंस एंड रिसर्च में किडनी डायलिसिस अस्पताल शुरु करने के बाद यह दूसरा बड़ा प्राजेक्ट शुरु किया गया है जिससे लोगों को अपना इलाज

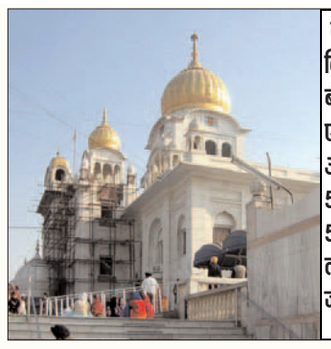

बंगला साहिब गुरुद्वारे में शुरू किए गए इस टेस्ट सेंटर में बीपीएल कैटेगरी के लोगों को एमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे के लिए 50 रुपये देने होंगे और अगर वो 50 रुपये देने में भी असमर्थ है तो उसका टेस्ट मुफ्त किया जाएगा।

करवाने में बहुत अधिक सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि 1980 के मध्य में एक समय था जब लोग सिखों को नफरत से देखते थे व अखबारों में सिखों की तस्वीरें छाप कर दहशत से भय वाला माहौल बनाया जाता था। लेकिन अब समय बदल गया है देश के लोग अब सिखों को निस्वार्थः मानवता की सेवा करने वाली कौम के रूप में देखते हैं। उनहोंने कहा कि अकाल पुरख ने सिखों पर रहमत की है और सिख जरूरतमंद तक पहुंच कर उनकी मदद कर रहे हैं, उन्हें लंगर छका रहे हैं तथा जरूरत की हर सहुलियत प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकर दिल्ली गुरूद्वारा कमेटी केवल लंगर से ही नहीं बल्कि बाला प्रीतम दवाखाने, अस्पताल व अन्य डायगनोस्टिक सेंटर खोल कर मानवता की सेवा कर रही है तथा स्कूल, कालेज व अन्य शैक्षिणक संस्थान अलग से चला कर सेवा कर रही है। स. सिरसा ने ऐलान किया कि जल्दी ही किडनी अस्पताल को 1 हजार बैड का अस्पताल बनाया जाएगा। स. सिरसा व स. हरमीत सिंह कालका ने कहा कि दिल्ली गुरूद्वारा कमेटी ऐसे प्राजेक्ट जो कि मौजदा समय में बहुत ही अहम जरूरत बन गए हैं, के माध्यम से मानवता की सेवा जारी रखेगी।

स्कूली बच्चों को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। शाहदरा के एस.के.वि.विद्यालय में दिल्ली पुलिस तथा नेशनल चिल्ड्रन वेलफेयर सोसायटी द्वारा जुडी कृते के प्रदर्शन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पुलिस उपायुक्त आर.सत्य सुन्दरम, और अति.उपायुक्त अमृता गुगुलोत नें आत्म रक्षा को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर शाहदरा थानाध्यक्ष शिव राज सिंह बिस्ठ, नेशनल चिल्ड्रन वैलफेयर सोसायटी के चेयरमैन वि.के.जैन, डी.के. अरोड़ा, शिहान हरीश कुमार, राजन वर्मा, रेनू तथा प्रधानाचार्य अर्चना जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर शिहान हरीश जो कि अंतर्राष्ट्रीय कोच भी हैं ने खा आज के समय हर किसी को आत्म रक्षा का ज्ञान होना चाहिए।

दिल्ली सरकार करती है संकीर्ण राजनीतिः रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर संकीर्ण राजनीति का आरोप लगाया है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जाहिर किया दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वैज्ञानिकों को इस बात के लिए बधाई नहीं देना चाहती कि उन्होंने कोरोना की वैक्सीन बनाकर पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। बिधूड़ी ने कहा कि मैंने विधानसभा में यह प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगी थी कि हम प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई वैक्सीन के लिए उन्हें बधाई दें। भारत ने उस समय यह वैक्सीन दुनिया के सामने पेश की जब पूरा विश्व इस त्रासदी के मातम में ही डूबा हुआ था जबकि हमारे वैज्ञानिकों ने दो वैक्सीन विकसित करके पूरे विश्व को एक नई राह दिखाई। अब दुनिया में सभी भारत की प्रशंसा कर रहे हैं और हर तरफ से वैक्सीन की मांग आ रही है। बिधूड़ी ने कहा कि यह परंपरा रही है कि जब भी देश का नाम ऊंचा करने वाली कोई उपलब्धि किसी ने भी हासिल की हो, सदन में प्रस्ताव पास करके उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर यह प्रस्ताव पारित करना चाहिए था लेकिन यह प्रस्ताव पेश करने की अनुमति ही नहीं दी गई।

बदमाशों ने रंगदारी के लिए घर के बाहर पिस्टल से फायरिंग कर धमकाया

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चैपट हो चुकी है। बदमाश खुलेआम हाथों में पिस्टल लहराते फायरिंग करके दहशत पैदा कर रहे हैं। दिल्ली के नाथ ईस्ट जिले के वेलकम इलाके का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें कई बदमाश एक घर के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग करके दहशत पैदा कर रहे हैं और गालियां देकर रंगदारी की डिमांड कर रहे हैं। इस वारदात में पीड़ित ने 27 फरवरी को पुलिस को शिकायत दी थी कि 25 फरवरी को उसका एक जानकार फैजल उसके पास आया और उसने 20 हजार रंगदारी मांगी। पीड़ित ने बताया कि उसके पास कुछ ई-रिक्शा हैं जो इलाके में चलते हैं इसलिए आरोपी फैजल ने उसे एक शख्स से वीडियो कॉल पर बात भी कराई। वीडियो कॉल में बात करने वाले ने खुद को मंडोली जेल में बंद वसीम फौजी बताकर उसे धमकी दी कि 20 हजार रुपए रंगदारी चाहिए। अगर नहीं देगा तो अच्छा नहीं होगा। जिसके बाद उसने पैसे देने से मना कर दिया था और 26 फरवरी की रात 10 बजे जब वो अपने परिवार के साथ घर मे था तब कुछ लड़के आए और उसके घर के बाहर फायरिंग करके चले गए। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की और 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है।

मार्ग का नामकरण 'स्व. प्रभुदयाल सचदेवा मार्ग' के नाम से किया

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। वेस्ट पटेल नगर क्षेत्र के अंतर्गत मुख्य मार्केट रोड का नामकरण गुरूवार ककको 'स्व. प्रभुदयाल सचदेवा मार्ग' के नाम से किया गया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश, स्थायी समिति के अध्यक्ष, छैल बिहारी गोस्वामी, करोल बाग वार्ड समिति के अध्यक्ष, तेज राम फौर, पूर्व महापौर, रविंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद, भरत भूषण मदान व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर महापौर जय प्रकाश ने कहा कि पटेल नगर के भीष्म पितामह स्व. प्रभुदयाल सचदेवा जी एक धार्मिक व सामाजिक व्यक्ति थे, जो सदैव लोगों के दुख-सुख में शामिल होते थे। उन्होंने कहा की हमें उनके द्वारा किए गए अच्छे कार्यों को याद करना चाहिए, ताकि समाज उनके द्वारा किए गए कार्यों से प्रेरणा ले सकें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार सकें। उन्होंने ने कहा कि हमें ऐसे महापुरुषों का स्मरण कर उनके दिखाए गए मार्गों पर चलना चाहिए ताकि हम अपने जीवन में स्थिरता और सफलता ला सकें।

पूर्वी निगम ने पार्कों का किया सौदर्यीकरण

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने के उद्देश्य से पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा निगम के अधीन पार्कों का बेहतर रख-रखाव और सौन्दर्यीकरण के लिए सकारात्मक प्रयास किए जा रहे है। इसी दिशा में कार्य करते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या-36 ई में एल.आई.जी फ्लैट लोनी रोड, वार्ड संख्या-30 ई, ए ब्लॉक, विवेक विहार, फेज-2, वार्ड संख्या-20 ई, पार्क डी-319, निर्माण विहार, ब्लॉक-सी, स्टोर वाला पार्क, दिलशाद गार्डन, वार्ड संख्या-28-ई आदि पार्कों का कायाकल्प कर आकर्षक और सुन्दर रूप दिया गया है जिससे स्थानीय लोग काफी खुश हैं। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले पार्कों के नवीनीकरण और सौन्दर्यीकरण का कार्य कर रही है ताकि क्षेत्र में हरियाली हो और स्थानीय लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को अच्छा वातावरण उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि इन पार्कों में सैर के लिए पक्की और सुविधाजनक पगडंडिया बनायी गई है और बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाये गये हैं। सत्यपाल सिंह ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के उद्यान विभाग द्वारा पार्कों से निकलने वाली घास, पेड़ पौधों की पत्तियां आदि से पहले से ही खाद बनायी जा रही है और इस खाद का इस्तेमाल पार्कों को हरा-भरा बनाने और नये पौधे विकसित करने के लिए किया जा रहा है। सत्यपाल सिंह ने बताया कि निगम द्वारा पार्कों को विकसित करने के लिए फंड की उपलब्धता के अनुसार म्यूज़िकल फाउंटेन, बैठने के लिए बेंच, ट्री हाउस का भी निर्माण किया जायेगा।

समलैंगिक महिला की परिवार ने जबरन कराई शादी, हाईकोर्ट ने दिया सुरक्षा देने का आदेश

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को दिल्ली पुलिस को एक समलैंगिक महिला को सुरक्षा मुहैया करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने उस पीड़ित महिला को राहत दी है, जिसकी मर्जी के खिलाफ उसके परिवार ने उसकी जबरन शादी करवा दी है। कोर्ट ने परिवार और ससुराल दोनों पक्षों से महिला की सुरक्षा करने का निर्देश दिल्ली पुलिस को दिया है। जस्टिस मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ ने महिला को सुरक्षा प्रदान करने के लिए लाजपत नगर थाने के थाना प्रभारी को ये आदेश जारी किया है।

पीड़ित समलैंगिक महिला महिला ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर अदालत को बताया कि वह 23 वर्ष की एक वयस्क महिला है, जिसके माता-पिता को उसके समलैंगिक होने की जानकारी दी थी। इसके बावजूद उसकी शादी एक व्यक्ति से जबरदस्ती करा दी गई। अब उसे अनचाहे विषमलैंगिक रिश्ते में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जबकि वह इस रिश्ते के साथ नहीं रहना चाहती है। याचिकाकर्ता ने

कोर्ट ने परिवार और ससुराल दोनों पक्षों से महिला की सुरक्षा करने का निर्देश दिल्ली पुलिस को दिया है। जस्टिस मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ ने महिला को सुरक्षा प्रदान करने के लिए लाजपत नगर थाने के थाना प्रभारी को ये आदेश जारी किया है।

12 अक्टूबर, 2019 को एक पुरुष के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ जबरन शादी कर दी गई थी, जबकि उसके माता-पिता पूरी तरह से ये बात जानते थे और उन्हें सूचित किया गया था

कोर्ट से मांग की है कि कोर्ट उसके पिता, ससुर और उसके पति को आदेश दें कि कोई भी उसके साथ किसी तरह का संवाद न शुरू करे और उसे डराने, धमकाने या धमकी देने की कोशिश न करे, विशेषकर उसके पैतृक या वैवाहिक घर लौटने के संबंध में या 'करेक्शन सर्जरी', पारिवारिक-धार्मिक अनुष्ठान या किसी भी समारोह में शामिल होने और सेक्सुअल ओरिएंटेशन के लिए दबाव न डाला जाए। इसके बाद हाईकोर्ट ने महिला को सुरक्षा देने के लिए पुलिस को आदेश जारी कर दिया है।

अक्टूबर 2019 में जबरन शादी करा दी गई

याचिकाकर्ता महिला ने अदालत को बताया कि 12 अक्टूबर, 2019 को एक पुरुष के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ जबरन शादी कर दी गई थी, जबकि उसके माता-पिता पूरी तरह से ये बात जानते थे और उन्हें सूचित किया गया था कि वह समलैंगिक है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने 7 मार्च को एक एनजीओ, एक्ट नाउ फॉर हार्मनी एंड डेमोक्रेसी से संपर्क कर अपने लिए एक सुरक्षित घर की मांग की है।

वंचितो के झंडेबरदार हैं त्रिनेत्रधारी भगवान भोले नाथः महात्यागी

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र के चन्दू पार्क पुरानी अनारकली स्थित 'सिद्ध पीठ सीताराम सन्त सेवा मन्दिर एवं गौ सेवा सदन' में महाशिवरात्रि का महापर्व अन्तर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के महन्त एवं महामण्डलेश्वर 108 रामगोविन्द दास महात्यागी जी महाराज के पावन सानिध्य में धूमधाम के साथ मनाया गया। भगवान भोले नाथ का जलाभिषेक करने हेतु मन्दिर परिसर में भक्तो की कतार प्रातः 4 बजे से ही लगनी प्रारम्भ हो गई थी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर सीताराम सन्त सेवा मन्दिर एवं गौ सेवा सदन में भारी तादाद में जुटे धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं पर ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा करते हुए रामगोविन्द दास महात्यागी जी महाराज ने बताया कि त्रिनेत्रधारी भगवान (शिव)भोले नाथ बड़े ही दयालु है जो कि बहुत ही जल्दी अपने भक्त की पुकार सुनते है। जिनकी फरियाद किसी के दरबार में नही सुनी जाती, भोले नाथ के दरबार में उनकी भी फरियाद सुनी जाती है इसीलिए भोलेनाथ को वंचितो के झंडे बरदार के नाम से भी जाना जाता है। महात्यागी जी महाराज ने यह भी बताया कि भोले नाथ एक लोटा जल नियमित रूप से उन्हें अर्पित करने मात्र से भी प्रसन्न हो जाते है लेकिन किसी भी लक्ष्य को हासिल करने में सफलता मिल पाने की आशा तभी प्रबल हो पाती है जब उस कार्य को दृढ संकल्प के साथ नियमित रूप से किया जता है। महाशिवरात्रि का महापर्व संकल्प व समर्पण का सन्देश देता है। मन्दिर में शिव भक्तो द्वारा क्विंटलों के हिसाब से शिवलिंग पर गंगा जल, दूध, फल-फूल, मिष्ठान, भांग, धतूरा, बेल व बेलपत्र आदि चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया।

आठों पहर मन्दिर परिसर 'ओम नमः शिवाय' व बम-बम भोले के जयकारों से गुंजायमान होता रहा। शिवरात्रि महोत्सव रात्रि में चार पहर की पूजा-अर्चना के साथ भगवान भोलेनाथ के हुए भव्य रूद्राभिषेक के साथ सम्पन्न हुआ।

दंगा मुद्दे पर दिल्ली विधानसभा में हंगामा, भाजपा विधायक को मार्शलों ने बाहर किया

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान द्वारा एक राजनीतिक पार्टी पर पिछले साल उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में भूमिका का आरोप लगाये जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी भाजपा के विधायकों के बीच तीखी बहस हुई। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने मार्शलों को भाजपा विधायक अनिल वाजपेयी को सदन से बाहर करने का निर्देश दिया। भाजपा विधायक अपना विरोध जताने के लिए सदन के बीचों बीच आ गये थे। विधानसभा अध्यक्ष ने इसके बाद भाजपा विधायक को पूरे दिन के लिए सदन से बाहर रहने का आदेश दिया। गोयल ने हंगामे के बीच सदन को स्थगित कर दिया। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक खान ने पिछले साल फरवरी के अंत में हुए सांप्रदायिक दंगों पर रिपोर्ट पेश करते हुए यह आरोप लगाया। खान विधानसभा के अल्पसंख्यक कल्याण समिति के अध्यक्ष हैं। गोयल ने राजनीतिक पार्टी का नाम रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया और सदन की कार्यवाही फिर से बहाल की। उन्होंने भाजपा सदस्यों के जबरदस्त विरोध के बीच समिति की रिपोर्ट पर खान को आगे बोलने से भी रोक दिया। पिछले साल नागरिकता कानून के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष के बाद 24 फरवरी को उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगा भड़क गया था जिसमें 53 लोगों की मौत हुई थी और स्कूल, धार्मिक स्थलों और संपत्ति को व्यापक क्षति पहुंची थी।

संजय गोयल ने पंचकुइयां रोड पर किया नेकी की दीवार का उद्घाटन

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल ने गुरूवार को पंचकुइया रोड श्मशान घाट के सामने तीसरी नेकी की दीवार का उद्घाटन किया। नेकी की दीवार को भारत के आध्यात्मिक, पौराणिक व महान व्यक्तियों के चित्रों से सजाया गया है। 26 जनवरी, 2021 को उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने पहली नेकी की दीवार का उद्घाटन एक पुराने ढ़लाव घर को पुनर्निर्मित कर के पूसा गोलचक्कर पर किया था। अब तक लगभग 2000 कपड़े वहां प्राप्त हुए और वितरित किए गए है। क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को कपड़े और अन्य सामान उपलब्ध कराने के लिए गूंज और चिंतन गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय किया गया है।

इस मौके पर आयुक्त संजय गोयल ने कहा कि नेकी की दीवार को तीन सिद्धांतों पर विकसित किया गया है वो है कम करें, पुनःचक्रित करे और पुनः उपयोग करें। इसका उद्देश्य लैंडफिल साइटों पर त्याग की गई वस्तुओं की संख्या को कम करना और स्रोत पर अलगाव को बढ़ावा देने है। उन्होंने कहा कि लोग अपनी पुरानी वस्तुओं को नेकी की दीवार पर दान कर सकते हैं और जरूरतमंद उन्हें मुफ्त में यहा से ले सकते हैं। उपायुक्त करोल बाग क्षेत्र हिमांशु गुप्ता ने कहा कि दीवार को आध्यात्मिक व्यक्तियों के चित्रों द्वारा सजाया गया है जैसे की राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, मीरा बाई, सावित्री बाई फुले, शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद आदि। ये चित्र राहगीरों को भारतीय समाज के विकास में इन विचारकों के योगदान को याद दिलाने में मदद करेंगे। चित्रों को दिल्ली स्ट्रीट आर्ट ग्रुप द्वारा विकसित किया गया है। एक ढ़लाव पर पर 3-डी पेंटिंग में बाज पक्षी को दर्शाया गया है जिसके पंखों को प्लास्टिक की बोतल से सजाया गया है, जो प्रकृति पर प्लास्टिक के प्रभाव का संदेश देता है।

दण्डी स्वामी सहजानन्द सरस्वती का जन्मदिवस पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। जंतर मंतर स्तिथ जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यालय के सभागार में गुरूवार को महाशिवरात्रि के दिन गाजीपुर उत्तर प्रदेश में गरीब किसान परिवार में जन्में दण्डी स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी का जन्मदिवस पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया। इस मौके पर जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय आर.सी.पी. सिंह जी मौजूद थे। सिंह ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो उन्होंने समाज व दीन-दुःखियो के दुःख को दूर करने के लिए समाज में जो कार्य किये उनका विस्तार से वर्णन किया और उनके द्वारा बताये गए रास्तो पर चलने का आवाहनं किया। सिंह ने कहा की समाज का निर्माण, देश का निर्माण होता है। स्वामी जी ने समाज में दबे कुचले शोषित लोगो को संघर्ष

करना सीखाया। उन्होंने अंग्रेजो के शासन काल का वो दौर याद दिलाया जब किसान अपनी ही जमींन से मिट्टी नहीं ले सकता व कुआँ नहीं बना सकता था। उन्होंने किसानो, मजदूरो को संघर्ष करना सीखाया और उनको अपना हक दिलाकर जमींदरी प्रथा के खिलाफ जोर देकर संघर्ष कर आवाज उठाई। सिंह ने समाज की कुरूतियो का उदहारण देते हुए कहा कि जातिप्रथा के भेदभाव को देखते हुए कहा की ये समाज में एक बर्फ की चादर ढक रखीं है उसे पिघलाना होगा अर्थात हमे एक साथ होकर मुद्दों पर संघर्ष कर लड़ना होगा। दूसरी तरफ सिंह ने शहीद जुब्बा साहनी को उनके शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान को याद किया की किस तरह समाज के लिए उन्होंने अपनी कुर्बानी दी। देश को अंग्रेजो से आजादी दिलाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। समाज में आज उनके संकल्पों को याद करते हुए उनके द्वारा बताये गए रास्तो पर चलने के लिए जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व सांसद राम कुमार शर्मा, पूर्व विधायक अभिराम शर्मा, जदयू के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मिथिलेश प्रसाद, जदयू के राष्ट्रीय कार्यालय सचिव महेश, जदयू के राष्ट्रीय कार्यालय सह सचिव आशीष रंजन, जदयू के राष्ट्रीय संयोजक (प्रचार और कार्यक्रम) मोहम्मद निसार, दिल्ली प्रदेश महासचिव एकनाथ सिंह, दिल्ली प्रदेश की उपाध्यक्ष मालती राय, युवा जदयू दिल्ली प्रदेश के सचिव शिवांश धर, पूजा सिंह, एल.के. झा, सत्य प्रकाश मिश्र, स्वाति पटेल, अलका मिश्रा, मंजू पांडे, राकेश कुशवाहा, त्रिभुशन सिंह, श्याम सत्यार्थी, नंदकुमार झा, रेशिम सोनी, अमित गुप्ता, राम शकल महतो, अशोक, त्रिभुवन कुमार, जे पी शर्मा, कृष्णा पासवान, विनोद झा, शकील अहमद सैफी, सुरेन्द्र गुप्ता, हुसैन अहमद, अखिलेश झा, मोहन खरवार, गौरीशंकर साहू, अजय कुमार, गौरीशंकर, रकम सिंह, अजय कुमार, लवकुश, मनोज राय, विनय चैधरी, डॉ. कुन्दन कुमार, शशि भूषण, शिवशंकर जी आदि समेत भारी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्तता मौजूद थे।

जय प्रकाश ने हरदयाल म्युनिसिपल पुस्तकालय के जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने आज हरदयाल म्युनिसिपल पुस्तकालय के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुस्तकालय प्रबंधन समिति की सचिव सुश्री, रेखा सिन्हा व निगम के अधिकारी उपस्थित थे। महापौर ने कहा कि हरदयाल म्युनिसिपल पुस्तकालय दिल्ली के सबसे पुराने पुस्तकालयों में से एक है, जिसके जीर्णोद्धार का कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है।

संपादकीय

खुद को जिद्दी बनाएं महिलाएं

साल 2002 या 2003 की बात है। तब हम बहनों ने कुश्ती की बस शुरुआत ही की थी। पहलवानी में लड़कियां न के बराबर थीं, इसलिए हम पुरुषों के साथ लड़ा करती थीं। एक दिन हमारे पिता दंगल लड़वाने के लिए हम भाई-बहनों को राजस्थान ले गए। मुकाबले को लेकर हमारे अंदर एक अलग रोमांच था। मगर हमारा सारा उत्साह अचानक से फीका पड़ गया, जब आयोजक ने कहा, 'आखिर किस ग्रंथ में लिखा है कि लड़कियां कुश्ती लड़ सकती हैं?' मैं भौंचक रह गई। लिखा तो यह भी नहीं है कि लड़कियां दंगल नहीं कर सकतीं! मगर उस दिन उन्हें जवाब देने की हमारी हैसियत नहीं थी। मैंने कहा भी कि हम लड़कों से लड़ लेंगी, मगर वह टस से मस नहीं हुए। नतीजतन, हमें निराश वापस लौट जाना पड़ा। हालांकि, मेरे भाई को लड़ने की अनुमति मिल गई थी। उस दिन हमें सिर्फ यही मलाल था कि काश, हम लड़की न होते! काश, हमें भी मुकाबला करने देते! यह वह समय था, जब हरियाणा के हमारे समाज में महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले नाममात्र के मौके मिलते थे। महिलाएं तो खेल का नाम लेने तक से घबराती थीं। लेकिन कहते हैं न कि हर बच्चे की सफलता के पीछे उसके मां-बाप का हाथ होता है। हम 'फोगाट सिस्टर्स' के लिए भी यही सच है। अपने मां-बाप की उंगलियां पकड़कर ही हमने यह मुश्किल यात्रा तय की है। उन दिनों तो लोग बस ताना मारा करते थे। कहा करते, देखो, ये लड़कियां दंगल खेलती हैं! मगर अब वही समाज हमें सिर आंखों पर बिठाता है। मेरे भाई को तो अब भी कहा जाता है कि पहले मेहनत करो, बहनों जैसी सफलता पाओ, तब कोई मांग करो। अब नजीर के तौर पर हम बहनों को पेश किया जाता है। पहले कहा जाता था, पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब। मगर अब महिला खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है, पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे लाजवाब।

आज महिला दिवस को मैं इन्हीं दो पहलुओं से देखती हूं। पहले हमारा मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन आज खूब शाबाशी दी जाती है। अब पुरुषों में यह सोच नहीं रही कि महिलाएं चूल्हे-चौके के लिए ही बनी हैं। अब वे समझ गए हैं कि औरतें हर क्षेत्र में उनसे आगे निकल सकती हैं। देखा जाए, तो देश-समाज की सोच बदलने के लिए खिलाड़ियों ने ही नहीं, पूरी महिला बिरादरी ने लड़ाई लड़ी है। किसी का योगदान कम नहीं है। फिर चाहे वह मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर हों, मिस इंडिया रनरअप मान्या सिंह हों, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला हों, आईपीएस किरण बेदी हों या फिर पीवी सिंधु, साक्षी मलिक या फोगाट सिस्टर्स। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपना मुकाम हासिल किया और समाज में आदर्श बनकर उभरीं। इसका काफी असर पड़ा है। पहले खुद औरतों के मन में यह बात पैबंद होती थी कि उनकी जिम्मेदारी घर-परिवार तक ही सीमित है। मगर आज न सिर्फ सुदूर गांव की लड़कियां भी आसमान छूने की चाहत रखती हैं, बल्कि सफलता हासिल करके अपने समाज की सोच बदलने में भी सफल होती हैं। आज अपने दम पर आगे बढ़ने वाली तमाम महिलाओं की यही कोशिश है कि वे इसी तरह देश-दुनिया पर असरंदाज होती रहें। जाहिर है, आने वाले दिनों में महिलाएं और ज्यादा प्रभावशाली भूमिका में आ सकती हैं। इसके लिए उन्हें अधिक से अधिक जागरूक करना होगा। उनको हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करना होगा, क्योंकि जब वे खुद कदम बढ़ाएंगी, तो कुछ न कुछ नया करके ही दिखाएंगी। महिलाओं को मौका मिले, तो वे काफी कुछ कर सकती हैं। अपनी काबिलियत और मेहनत के दम पर नया इतिहास रच सकती हैं। कई योग्य महिलाएं तो आज भी मनमाफिक काम करने का अवसर ढूंढ़ रही हैं। उनकी मदद की जानी चाहिए। हमारे समाज में घूंघट प्रथा बंद होनी चाहिए, क्योंकि यह भी महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकती है।

एक प्रयास सुरक्षा के मोर्चे पर भी करना होगा। महिलाओं की सुरक्षा आज भी एक बड़ा मसला है। इसे यह तर्क देकर नहीं बचा जा सकता कि शुरू से ही महिलाओं को निशाना बनाया जाता रहा है। हां, यह जरूर है कि पहले वे इतनी जागरूक नहीं थीं। उनके साथ होने वाली ज्यादतियां उजागर नहीं हो पाती थीं। मगर अब मीडिया के सहयोग से महिला-उत्पीड़न की घटनाएं लगातार उजागर हो रही हैं। जब ऐसी घटनाएं सुर्खियां बनती हैं और देश-समाज के सामने आती हैं, तो महिलाओं को न्याय दिलाना आसान हो जाता है। सत्ता-प्रतिष्ठान भी इस कोशिश में है कि ऐसे कानून बनें, जिनसे महिलाओं का उत्पीड़न बंद हो। उन्हें 'सेल्फ डिफेंस' का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। तब भी, महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभी और कदम उठाए जाने की जरूरत है। मौजूदा कानूनों को और सख्त किया जाए, ताकि महिलाओं के खिलाफ कुछ भी करने से पहले अपराधी सौ बार सोचें। कानून यदि मजबूत होगा, तो अपराधियों पर लगाम लग सकेगा। हमारे नीति-नियंता चाहें, तो आज के दिन इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि, कुछ कोशिश महिलाओं की तरफ से भी होनी चाहिए। मिसाल के तौर पर, औरतों को जिद्दी बनना चाहिए। अगर उन्हें कुछ करना है, तो मंजिल पाने की ललक उनके अंदर होनी ही चाहिए। उनमें यह जिद होनी चाहिए कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। यह बात उन्हें गांठ बांध लेनी चाहिए कि पुरुषों से वे किसी मामले में पीछे नहीं हैं, बल्कि कई क्षेत्रों में तो उनसे आगे निकल चुकी हैं। पिछले ओलंपिक (2016 रियो ओलंपिक) खेलों में तो पीवी सिंधु और साक्षी मलिक ने ही पदक जीतकर देश की लाज बचाई थी। वैश्विक मंचों पर आज महिलाएं देश का कहीं ज्यादा प्रतिनिधित्व करने लगी हैं। इसीलिए कोई समाज अपनी लड़कियों को यदि कहता है कि वे अमुक काम नहीं कर सकतीं, तो लड़कियों को जिद पालकर वह काम जरूर करना चाहिए। संकीर्ण सोच वाले लोगों के मुंह तभी बंद होंगे। आखिर म्हारी छोरियां छोरों से कम कहां हैं?

प्रवीण कुमार सिंह

ट्विटर अपने एजेंडे के अनुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की व्याख्या नहीं कर सकता

अनुच्छेद 19 की व्याख्या में उन्होंने यही कहा कि इसमें वैयक्तिक स्वतंत्रता और उस पर संभावित प्रतिबंधों की व्यवस्था भी है, ताकि वैयक्तिक स्वतंत्रता का लोक कल्याण या सार्वजनिक नैतिकता के साथ कोई टकराव न हो। यही हमारा संवैधानिक रुख है और हमारे लिए सुप्रीम कोर्ट के शब्द ही मायने रखते हैं। इसमें हम किसी इंटरनेट माध्यम को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं देंगे। हमारा संविधान सर्वोच्च है और वही कानून मान्य है, जिसे हमारा सुप्रीम कोर्ट मान्यता देता है। कोई भी देसी-विदेशी कंपनी या संस्था खुद को उनसे ऊपर न समझे। न ही उसे खुद को हमारे मूल अधिकारों के संरक्षक के रूप में पेश करना चाहिए। हम भारतीय अपनी और अपनी संप्रभुता का खयाल रखने में पूरी तरह सक्षम हैं।

भारत सरकार और ट्विटर में रार के बीच सरकार ने इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य हिंसा और अश्लीलता को बढ़ावा देने वाली आपत्तिजनक ऑनलाइन सामग्री से निपटना है। ये दिशा-निर्देश इसलिए आवश्यक थे, क्योंकि ओटीटी समेत इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म किसी नियमन के दायरे में नहीं हैं। इसीलिए उनकी मनमानी पर लगाम नहीं लग पा रही थी। इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म न तो फेक न्यूज रोकने के लिए कुछ कर रहे थे और न ही हिंसा, वैमनस्य आदि पर लगाम लगाने के लिए। ऐसे दिशा-निर्देश इसलिए आवश्यक हो गए थे, क्योंकि इस संदर्भ में जैसे नियम-कानून विभिन्न देशों ने बना लिए हैं वैसे भारत में नहीं हैं। जहां फेसबुक ने इन दिशा-निर्देशों का स्वागत किया है, वहीं ट्विटर मौन साधे हुए है। उसके कर्ताधर्ता मुख्यबिंदु से भटक रहे हैं।

मुख्यबिंदु यह है कि भारत में कारोबार करने की इच्छुक कंपनियों को देश के संविधान और संसद द्वारा पारित कानूनों के दायरे में ही काम करना होगा। भले ही कंपनी के अपने कायदे-कानून हों, पर भारतीय कानूनों के समक्ष वे बेमानी हैं। यह सब कहने की आवश्यकता इसलिए पड़ रही है, क्योंकि ट्विटर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर हमारे संविधान पर अपनी सोच थोपने की फिराक में है। इस प्रकरण की शुरुआत सरकार द्वारा ट्विटर से उन 1178 अकाउंट पर कार्रवाई के निर्देश के साथ हुई, जिनके तार पाकिस्तान और खालिस्तानी समर्थकों से जुड़े हुए थे। वे फर्जी सूचनाओं से किसानों को भड़का रहे थे। सरकार ने ट्विटर से कहा कि वह न केवल ऐसे अकाउंट हटाए, बल्कि 'फार्मर्सजेनोसाइड' यानी किसानों का

संहार जैसे नितांत आपत्तिजनक हैशटैग भी हटाए। ट्विटर ने इस निर्देश पर तात्कालिक कार्रवाई नहीं की। बाद में भी उसने महज खानापूर्ति करने का ही काम किया।

उस कुख्यात टूलकिट को लेकर भी सरकार और ट्विटर के बीच तल्खी बढ़ी, जिसका मकसद कृषि कानून विरोधी आंदोलन के दौरान देश में आक्रोश की नई चिंगारी भड़काना था। ट्विटर को इस बात को लेकर भी सूचित किया गया कि भारत में असंतोष को हवा देने और सौहार्द की भावना बिगाड़ने में उसके मंच का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही सरकार ने उसे दो-टूक लहजे में चेताया कि ट्विटर एक माध्यम मात्र है और उसे भारतीय संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करना ही होगा।

इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने ट्विटर के अधिकारियों से कहा कि उनकी कंपनी उन लोगों का पक्ष ले रही है, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नाजायज फायदा उठाकर भारत में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। सरकार का पक्ष गलत नहीं है, क्योंकि अक्सर ट्वीट बहुत अश्लील, भद्दे और गाली-गलौज से भरे होते हैं। उनमें शिष्टता की बलि चढ़ जाती है। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर भी ट्विटर ने दोहरा रवैया दिखाया। भारत सरकार और जनता ने इसका संज्ञान तब लिया जब 6 जनवरी को अमेरिकी संसद पर हमले और 26 जनवरी को दिल्ली के लालकिले पर हुई हिंसा को लेकर ट्विटर ने अलग-अलग तेवर दिखाए। इन दोनों मामलों पर ट्विटर के रुख से यही स्पष्ट हुआ कि वह केवल 'दक्षिणपंथी' विचार वालों पर कार्रवाई करेगा। वहीं अगर सरकार भी 'दक्षिणपंथी' विचार से जुड़ी दिखाई दे और उसके विरोधी वामपंथी हिंसक गतिविधियां करें तो उनका कोई अपराध न माना जाए। उन्हें मूल अधिकारों का चोला पहना दिया जाए। ट्विटर की प्रतिक्रिया भी बहुत विचित्र है।

अमेरिकी संसद और लाल किला प्रकरण से स्पष्ट है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर उसका कोई वैश्विक मानदंड नहीं है। ट्विटर के अधिकारी यह समझ लें कि भारत में अनुच्छेद 19(1)(ए) के अंतर्गत सभी नागरिकों को वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। हालांकि इसी अनुच्छेद में 'युक्तियुक्त निर्बंधन' का भी प्रविधान है, जहां सरकार भारत की एकता-अखंडता, राज्य की सुरक्षा, मित्र राष्ट्रों के साथ संबंध, अदालत की अवमानना, लोक व्यवस्था और मानहानि जैसे कुछ मामलों में इस अधिकार को सीमित कर सकती है। ये युक्तियुक्त निर्बंधन भी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1951 में पहले संविधान संशोधन में जोड़े थे, क्योंकि उनकी दृष्टि में वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता स्वच्छंद होकर लोक व्यवस्था को बिगाड़ने, नागरिकों की मानहानि करने और अपराधों को भड़काने का निमित्त बन रही थी। संसद द्वारा इस संशोधन को विधिक स्वरूप प्रदान करने के बाद न्यायालय द्वारा यह निर्धारित करने की भूमिका शेष रह जाती है कि सरकारी प्रतिक्रिया युक्तियुक्त थी अथवा नहीं? इसके बावजूद ट्विटर ने सिविल सोसायटी एक्टिविस्ट, नेताओं और मीडिया से जुड़े अकाउंट बंद नहीं किए, क्योंकि इससे उनके मूल अधिकार का 'उल्लंघन' होता। उसने यही राग अलापा कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को समर्थन देना जारी रखेगा।

ट्विटर को समझना होगा कि वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की व्याख्या अपने एजेंडे के अनुसार नहीं कर सकता। उसे हमारे संविधान और कानूनों का सम्मान करना ही होगा। भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के क्या मापदंड है? इसकी सटीक व्याख्या एके गोपालन बनाम मद्रास राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मुखर्जी के विख्यात फैसले के आलोक में दुर्गादास बसु ने की है। उसका सार यही है, 'ऐसी कोई असीमित या अनियंत्रित स्वतंत्रता नहीं हो सकती जो पूरी तरह अंकुश से मुक्त हो, जिससे अराजकता और व्यवस्था भंग होने की नौबत आ जाए। संविधान का यही उद्देश्य है कि वैयक्तिक स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा में एक सही संतुलन हो।' अनुच्छेद 19 की व्याख्या में उन्होंने यही कहा कि इसमें वैयक्तिक स्वतंत्रता और उस पर संभावित प्रतिबंधों की व्यवस्था भी है, ताकि वैयक्तिक स्वतंत्रता का लोक कल्याण या सार्वजनिक नैतिकता के साथ कोई टकराव न हो। यही हमारा संवैधानिक रुख है और हमारे लिए सुप्रीम कोर्ट के शब्द ही मायने रखते हैं। इसमें हम किसी इंटरनेट माध्यम को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं देंगे। हमारा संविधान सर्वोच्च है और वही कानून मान्य है, जिसे हमारा सुप्रीम कोर्ट मान्यता देता है। कोई भी देसी-विदेशी कंपनी या संस्था खुद को उनसे ऊपर न समझे। न ही उसे खुद को हमारे मूल अधिकारों के संरक्षक के रूप में पेश करना चाहिए। हम भारतीय अपनी और अपनी संप्रभुता का खयाल रखने में पूरी तरह सक्षम हैं।

जब तृणमूल कांग्रेस दूसरे राज्यों में चुनाव लड़ती है, तब वह भाजपा को बाहरी कैसे कह सकती है?

जब राजनीति का उद्देश्य सिर्फ निजी स्वार्थ या पारिवारिक लाभ तक सीमित रह जाता है, तब राष्ट्रहित और जनता के हित हाशिये पर चले जाते हैं। ऐसे में निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए कैसे-कैसे हथकंडे अपनाए जाते हैं, इसकी नवीनतम मिसाल है पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बंगाली बनाम बाहरी को मुद्दा बनाने की कोशिश। बंगाल में सत्ता विरोधी लहर की चुनौती झेल रही तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा को घेरने के लिए एक नया शिगूफा छेड़ते हुए उसे बंगाल से बाहर की पार्टी कहा। संवैधानिक धरातल पर पड़ताल करें तो यह वक्तव्य निहायत ही गलत है। संविधान सभा के उपाध्यक्ष बंगाल के हरेंद्र कुमार मुखर्जी और संविधान निर्मात्री समिति के अध्यक्ष बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर आदि की अगुआई में बना भारतीय संविधान किसी भी नागरिक के साथ कोई भेदभाव नहीं करता। संविधान के अनुच्छेद पांच के अनुसार कोई भी नागरिक पूरे देश का नागरिक होगा, न कि किसी राज्य का।

यही नहीं, कोई भी नागरिक देश के किसी भी राज्य या क्षेत्र में जाकर लोकसभा ही नहीं, विधानसभा का चुनाव भी लड़ सकता है। अनुच्छेद 173 स्पष्ट रूप से कहता है कि कोई भी नागरिक किसी राज्य के विधानमंडल का सदस्य बनने की अर्हता रखता है। साफ है कि बंगाली बनाम बाहरी का जुमला संवैधानिक कसौटी पर खरा नहीं उतरता। ममता बनर्जी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर गुजरात से आकर बंगाल में राजनीति करने का तंज कसना कहीं से भी उचित नहीं है। देश का प्रधानमंत्री या गृह मंत्री किसी राज्य का नहीं, पूरे देश का होता है।

राजनीतिक आधार पर देखें तो जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 के अनुसार एक क्षेत्रीय पार्टी किसी दूसरे राज्य में तकनीकी रूप से एक हद तक बाहरी पार्टी जरूर होती है, लेकिन देश का संविधान-कानून ऐसे क्षेत्रीय दलों को दूसरे राज्यों में चुनाव लड़ने की पूरी छूट देता है। फिर राष्ट्रीय दल जैसे भाजपा, कांग्रेस अथवा माकपा आदि किसी एक राज्य तक सीमित न होकर अखिल भारतीय हैं, जो लगभग पूरे देश में चुनाव लड़ते हैं। ऐसे दलों को बाहरी पार्टी कहना एक तरह से राजनीतिक दिवालियापन ही है। जब खुद तृणमूल कांग्रेस बंगाल के बाहर दूसरे राज्यों में चुनाव लड़ती रही है, तब एक राष्ट्रीय पार्टी को बाहरी पार्टी कहना कहां तक सही है? यह व्यर्थ की ही बहस है। सांस्कृतिक स्तर पर भी विचार करें तो बंगाली बनाम बाहरी का जुमला गले नहीं उतरता। कई मायनों में तो बंगाल भारत की सांस्कृतिक आत्मा है। लोकप्रिय प्रतीक 'भारत माता' का नाम सुनते ही हरेक भारतीय के मन में एक झंकार उठने लगती है। जन्मभूमि या देश की परिकल्पना प्राचीन काल से ही अपने यहां माता के रूप में की गई है। वेदों में 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' अर्थात भूमि माता है, मैं पृथ्वी का पुत्र हूं, जैसे कई मंत्र हैं, लेकिन इस देश को 'भारत माता' की संज्ञा पहली बार बंगाल की भूमि में ही दी गई। 1873 में किरण चंद्र बनर्जी के नाटक 'भारत माता' में पहली बार देवी 'भारत माता' का उल्लेख आया। फिर बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1882 में अपनी पुस्तक आनंद मठ में भारत-भूमि को 'भारत माता' के रूप में परिकल्पित किया। तत्पश्चात बंगाल के ही अवनींद्र नाथ ठाकुर ने केसरिया वस्त्र धारण की हुई 'भारत माता' का एक चित्र बनाया। उसके बाद तो बंगाल में परिकल्पित 'भारत माता' भारतीय राष्ट्रवाद का प्रतीक बनकर 'जन-गण-मन' में बस गई। इस भारत माता की कोई भी संतान किसी एक राज्य की नहीं होकर पूरे देश की है।

भारत का स्वाधीनता आंदोलन हमारे इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। बंगाल समेत अन्य राज्यों के लोगों ने सिर्फ इस या उस राज्य की मुक्ति नहीं, बल्कि पूरे देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था। चाहे 1857 में बंगाल के बैरकपुर में उत्तर प्रदेश के मंगल पांडेय द्वारा स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम की शुरुआत हो, 1905 का बंग-भंग विरोध हो, स्वदेशी का आंदोलन हो, बिहार का चंपारण सत्याग्रह हो, पंजाब के जलियांवाला बाग कांड का विरोध हो या सविनय अवज्ञा आंदोलन हो, भारत छोड़ो आंदोलन हो अथवा आजाद हिंद फौज का अभियान हो, सबका लक्ष्य पूरे देश की आजादी थी। राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय एकता और अखंडता के स्तर पर भी बंगाली बनाम बाहरी विवाद खतरे की एक घंटी है। पिछले काफी समय से क्षेत्रीयता बनाम राष्ट्रीयता का एक छद्म तनाव-संघर्ष खड़ा करने की कोशिश कई क्षेत्रीय दलों द्वारा की जा रही है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के उपराष्ट्रवाद की अस्मिता खड़ा करना राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता और राष्ट्रीय हितों के खिलाफ है। तमिलनाडु में द्रमुक और महाराष्ट्र की शिवसेना आदि के नक्शेकदम पर तृणमूल कांग्रेस उपराष्ट्रवाद या क्षेत्रीय भावना भड़काने की जो कोशिश कर रही है, वह खतरनाक है। ऐसी चीजें राष्ट्रीय भावना को कमजोर करती हैं। इनसे किसी भी जिम्मेदार राजनेता को बचना चाहिए।

बंगाली उपराष्ट्रवाद को उभारने और गैर-बंगालियों को बाहरी कहने से बंगाल के बाहर देश के विभिन्न राज्यों में रह रहे लगभग दो करोड़ बंगाली मानसिक रूप से असहज होते हैं। यह भी न भूला जाए कि बंगाल और खासतौर से कोलकाता में आसपास के राज्यों से बड़ी तादाद में कामगार आते हैं। इनके अलावा वहां राजस्थान के समृद्ध मारवाड़ी समाज की भी उपस्थिति है। बंगाल के निर्माण में तकरीबन 15 फीसद की आबादी वाले इन गैर-बंगालियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

न लापरवाही, न संदेह

कोरोना संक्रमण के नए मामलों में बढ़ती तेजी अब चिंताजनक रूप लेती जा रही है। रोज नए आने वाले केसों की संख्या हाल तक अस्पतालों से डिस्चार्ज होने वाले लोगों की तादाद से कम हुआ करती थी, लेकिन अभी यह उससे कहीं आगे निकल चुकी है। शुक्रवार को इन दोनों आंकड़ों के बीच चार हजार से भी ज्यादा का अंतर दर्ज किया गया था। लेकिन गौर करने की बात यह है कि नए मामलों में आ रही यह तेजी देशव्यापी नहीं, बल्कि कुछ खास राज्यों में केंद्रित नजर आ रही है। सोमवार को पूरे देश में नए केसों की संख्या 18,599 दर्ज की गई जिनमें 11,141मामले अकेले महाराष्ट्र के थे। केरल के मामले 2,100 और पंजाब के 1,043 थे। यानी नए केसों का 75 फीसदी से ज्यादा हिस्सा सिर्फ इन तीनों राज्यों से आ रहा है। खास तौर पर महाराष्ट्र की स्थिति ज्यादा गंभीर नजर आती है। वहां औरंगाबाद जिले में न केवल नाइट कर्फ्यू लगाया गया है बल्कि सप्ताहांत यानी शनिवार-रविवार को पूर्ण लॉकडाउन की भी घोषणा कर दी गई है। मुंबई समेत कई शहरों में दोबारा लॉकडाउन घोषित करने की संभावना मुख्यमंत्री जाहिर कर चुके हैं।

इस बीच देश में टीकाकरण अभियान भी पूरी तेजी पर है। अब तक लोगों को टीके के 2 करोड़ से ज्यादा डोज दिए जा चुके हैं। हालांकि टीकाकरण को लेकर आने वाली कुछ खबरों से गंभीर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला गुजरात के गांधीनगर का है जहां टीके के दोनों डोज लेने के बाद एक स्वास्थ्यकर्मी कोरोना पॉजिटिव पाया गया। उसे पहला डोज 16 जनवरी को और दूसरा डोज 15 फरवरी को दिया गया था, मगर शुरुआती लक्षणों के बाद टेस्ट किए जाने पर 20 फरवरी को उसे कोरोना संक्रमित बताया गया। अब कहा जा रहा है कि दोनों डोज लेने के बाद भी एंटीबॉडी डिवेलप होने में 45 दिन लगते हैं। यह स्पष्टीकरण तो इस केस से भी ज्यादा चिंताजनक है। हरियाणा के मंत्री अनिल विज जब टीका लेने के बाद कोरोना पॉजिटिव निकले तब कहा गया कि दोनों डोज लेने के बाद ही टीके का असर होता है। अब कहा जा रहा है कि दोनों डोज लेने के बाद भी असर शुरू होने में डेढ़ महीना लग जाता है। अगर सचमुच ऐसा है तो यह जानकारी टीकाकरण शुरू करते समय ही क्यों नहीं व्यापक तौर पर प्रचारित की गई। जो स्वास्थ्यकर्मी पहले से ही दिन-रात संक्रमण के खतरों से जूझते हुए अपने काम को अंजाम दे रहे हैं, वे टीका लेने के बाद स्वाभाविक ही थोड़ा निश्चिंत हो गए होंगे, यह सोचकर कि वे सुरक्षा घेरे के अंदर हैं।

45 दिन बाद एंटीबॉडी डिवेलप होने की बात न बताना उन सबकी जिंदगी को खतरे में डालना है, जो किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हो सकता। जब तक मामला सामने न आए तब तक व्याख्या को दबाए रखने का यह रवैया टीके को ही नहीं टीकाकरण अभियान को भी संदिग्ध बनाता है। पूर्ण पारदर्शिता ही इस संकट का अकेला निदान है।

सेक्युलरिज्म के ढोंग का सटीक उदाहरण हैं इंडियन सेक्युलर फ्रंट बनाने वाले सिद्दीकी

ऐसा ही हो, लेकिन यह पहली बार नहीं है जब कोई घोर मजहबी और सांप्रदायिक शख्स सेक्युलरिज्म की आड़ लेकर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहा हो। यह काम न जाने कब से हो रहा है और इसी कारण इस देश में सेक्युलरिज्म एक हेय शब्द बन गया है।

सेक्युलरिज्म किस तरह ढोंग और छल-कपट का पर्याय बन चुका है, इसका ताजा और सटीक उदाहरण हैं अब्बास सिद्दीकी। वह सांप्रदायिक राजनीति भी कर रहे और ठसक के साथ अपने दल को इंडियन सेक्युलर फ्रंट भी कह रहे हैं। कांग्रेस और वाम दल बिना किसी शर्म-संकोच अब्बास सिद्दीकी को सेक्युलर होने का प्रमाण पत्र देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। यह और कुछ नहीं, सेक्युलरिज्म के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम है।

किसी कांटेदार झाड़ का नाम बरगद रख देने से वह बरगद नहीं हो जाता, लेकिन राजनीति में इसी तरह के काम किए जाते हैं। हैरत यह है कि कुछ लोग ऐसा प्रचारित करने के लिए आगे भी आ जाते हैं कि हां जी, वह झाड़ ही बरगद है। पश्चिम बंगाल में यह तबसे देखने को मिल रहा है, जबसे हुगली स्थित फुरफुरा शरीफ दरगाह के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट नामक राजनीतिक दल का गठन किया है। सबसे पहले अब्बास सिद्दीकी पर असदुद्दीन ओवैसी ने डोरे डाले। वही ओवैसी जो मीडिया के एक हिस्से और खासकर अंग्रेजी मीडिया की नजर में सेक्युलर लीडर हैं। हालांकि उनके दल का नाम ही मजहबी तेवर वाला यानी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन है, फिर भी वह अपने सीने पर सेक्युलर होने का तमगा लगाए घूमते हैं। उनकी खासियत यह है कि वह देश के उन्हीं इलाकों से चुनाव लड़ते हैं, जहां मुस्लिम आबादी अधिक होती है। किसी कारण उनकी अब्बास सिद्दीकी से बात नहीं बनी। माना जाता है कि इसके बाद अब्बास सिद्दीकी को अपने पाले में लाने की कोशिश ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने भी की, लेकिन ज्यादा सीटें मांगने के कारण बात नहीं बनी।

एक समय अब्बास सिद्दीकी तृणमूल कांग्रेस के खास हुआ करते थे। पता नहीं क्यों वह खास से आम हो गए, लेकिन यह सबको पता है कि खुद को सबसे अव्वल दर्जे का सेक्युलर कहने वाले वाम दलों से उनकी बात बन गई। चूंकि कांग्रेस ने बंगाल में पहले ही वाम दलों से मिलकर चुनाव

लड़ने का फैसला कर लिया था, इसलिए उसने भी इंडियन सेक्युलर फ्रंट से हाथ मिला लिया। अब इसे लेकर कांग्रेस में रार छिड़ी है। कांग्रेस का एक गुट इंडियन सेक्युलर फ्रंट को सेक्युलर मानने को तैयार नहीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व तो इस पर मुहर लगा चुका है और उसे चुनौती देने का कोई मतलब नहीं। यह सनद रहे कि एक समय आंध्र प्रदेश में मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन और कांग्रेस एक साथ ही थे। मजलिस ने 2012 में हैदराबाद में चारमीनार के निकट एक मंदिर के जीर्णोद्धार से खफा होकर कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था।

यह भी सनद रहे कि केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे यानी यूडीएफ का ही एक घटक है और राहुल गांधी जिस वायनाड से लोकसभा चुनाव जीते, वहां मुस्लिम लीग का अच्छा-खासा दखल है। यह जिन्ना की उसी मुस्लिम लीग का अवशेष है, जिसने देश का विभाजन कराया था। विभाजन के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के जो नेता भारत में रह गए, उन्होंने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नाम से अपनी नई राजनीतिक दुकान खोल ली और खुद को सेक्युलर बताने लगे। कांग्रेस ने इस पर भरोसा कर लिया। यह भरोसा आज तक कायम है।

केरल के वामपंथी दल मुस्लिम लीग को सेक्युलर नहीं मानते, लेकिन किसी को कोई मुगालता पालने की जरूरत नहीं, क्योंकि तमिलनाडु में वे कांग्रेस और मुस्लिम लीग के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। यह तो पहले से ही जगजाहिर है कि केरल में जो कांग्रेस वाम दलों के खिलाफ खड़ी है, वही बंगाल में उनके साथ है। हां तो बात हो रही थी अब्बास सिद्दीकी की। इन दिनों वह सेक्युलरिज्म का गाना खूब जोर से गाते हुए ऐसी बातें कर रहे हैं कि उनका सेक्युलर फ्रंट मुसलमानों के साथ दलितों और आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ेगा। क्या किसी दरगाह का मौलाना ऐसा नहीं कर सकता? बिल्कुल कर सकता है। क्या वह सेक्युलर नहीं हो सकता? अवश्य हो सकता है, लेकिन तब नहीं जब वह किसी मुस्लिम के मंदिर चले जाने पर उसे काफिर और कौम का गद्दार करार दे। अब्बास सिद्दीकी ऐसा ही कर चुके हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां को बेहया करार देते हुए उन्हें पेड़ से बांधकर पीटने की बात कही। उनका 'गुनाह' यह था कि वह एक मंदिर चली गई थीं।अब्बास ने इसी तरह कोलकाता के मेयर फरहाद हाकिम को भी कौम का गद्दार करार दिया, क्योंकि शिवरात्रि पर वह किसी मंदिर चले गए थे।

क्या मौलाना से नेता का चोला धारण करने के बाद उनके विचार बदल गए हैं? नहीं-बिल्कुल नहीं। उनका कहना है कि आखिर मंदिर जाने वाला मुसलमान कैसे हो सकता है? अब्बास सिद्दीकी की सलाह है कि चाहे नुसरत जहां हों या फरहाद हाकिम, इन दोनों को खुलकर कहना चाहिए कि वे मुसलमान नहीं हैं। चर्चित लेखिका तसलीमा नसरीन की मानें तो अब्बास ने फ्रांस के शिक्षक सैम्युल पैटी के कत्ल का समर्थन किया था और वह शरिया कानून के भी हामी हैं। पता नहीं, यह कितना सच है, लेकिन इन दिनों वह वीडियो वायरल है, जिसमें अब्बास सिद्दीकी यह कहते देखे-सुने जा सकते हैं कि अल्लाह कोई ऐसा वायरस भेजे कि हिंदुस्तान में 10-20-50 करोड़ लोग मारे जाएं। अब्बास के मुताबिक यह वीडियो उन्हें बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। हो सकता है कि ऐसा ही हो, लेकिन यह पहली बार नहीं है जब कोई घोर मजहबी और सांप्रदायिक शख्स सेक्युलरिज्म की आड़ लेकर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहा हो। यह काम न जाने कब से हो रहा है और इसी कारण इस देश में सेक्युलरिज्म एक हेय शब्द बन गया है।

सेक्युलरिज्म किस तरह ढोंग और छल-कपट का पर्याय बन चुका है, इसका ताजा और सटीक उदाहरण हैं अब्बास सिद्दीकी। वह सांप्रदायिक राजनीति भी कर रहे और ठसक के साथ अपने दल को इंडियन सेक्युलर फ्रंट भी कह रहे हैं। कांग्रेस और वाम दल बिना किसी शर्म-संकोच अब्बास सिद्दीकी को सेक्युलर होने का प्रमाण पत्र देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। यह और कुछ नहीं, सेक्युलरिज्म के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का काम है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

आष्टा: कोर्ट परिसर में दो वकीलों के बीच जमकर चले लात-घूंसे

आष्टा। आष्टा तहसील स्थित अदालत परिसर में बुधवार को दो वकील आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई। झगड़ा होता देख दोनों वकीलों के विवाद में बाहरी लोग शामिल हो गए जो वकील भूपेश जामलिया के साथ मारपीट करने लगे, जिससे एडवोकेट घायल हो गया। विवाद का कारण अगामी अभिभाषक चुनाव में सचिव पद की दावेदारी का बताया जा रहा है। एडवोकेट भूपेश जामलिया पर एडवोकेट मोहम्मद ताज नाम वापसी के लिये अनावश्यक रूप से दबाव बनाकर धमकी दे रहे थे। लड़ाई के दौरान मौके पर वकीलों ने बीच-बचाव कर दोनों को छुड़वाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

कटनी: पैतृक जमीनी विवाद में भतीजे ने चाचा पर दागी गोली

कटनी। बरही थाना अंतर्गत छिंदहाई पिपरिया गांव में पैतृक जमीनी को लेकर चल रहे विवाद में एक भतीजे ने अपने ही चाचा को गोली मार दी। गंभीर हालत में चाचा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बरही थाना प्रभारी टीआई संदीय अयाची ने बताया कि छिंदहाई पिपरिया गांव निवासी रमाशंकर पांडेय 65 वर्ष और उनके बड़े रवि शंकर पांडेय के बीच छिंदहाई पिपरिया और नदावन गांव से लगी पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार को जबलपुर के आधारताल थाना अंतर्गत रामपुर क्षेत्र में रहने वाले रविशंकर पांडेय का पुत्र सत्येन्द्र पांडेय छिंदहाई पिपरिया गांव आया था। पुलिस ने बताया कि सत्येन्द्र पांडेय द्वारा अपने चाचा से जमीन के दस्तावेज मांगे गए। जिस पर चाचा ने जमीन के दस्तावेज देने से इंकार कर दिया गया। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा।

भोपाल: सीएम ने रोपा महानीम का पौधा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में महानीम का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री ने रोज एक पौधा लगाने के संकल्प के अंतर्गत मंत्रालय जाने के पूर्व स्मार्ट उद्यान में पौधरोपण किया। श्रमदान भी किया।महानीम का आयुर्वेदिक उपचार पद्धति में विशेष महत्व है। यह पित्त, कफ के रोग दूर करता है। उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है। महानीम व्यक्ति के स्वास्थ्य रक्षा के लिए एक उपयोगी वृक्ष है। इससे तैयार औषधियां व्यापक प्रचलन में हैं।

सागर: देवरी में बरामद किया आठ क्विंटल नकली मावा

सागर। बुधवार को देवरी थाना पुलिस ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए आठ क्विंटल नकली मावा जप्त किया है। जानकारी के अनुसार बुधवार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ट्रक क्र यूपी 83 एटी 6936 में मिलावटी नकली मावा वाया देवरी होकर छत्तीसगढ तरफ जा रहा है जो सूचना पर चीमाढाना फोरलेन पर उक्त ट्रक को देवरी पुलिस द्वारा चैक किया गया तथा वाहन चालक जनक सिंह पिता रामचरण उम्र 28 वर्ष निवासी धौलपुर राजस्थान से पूछताछ की गई जो ट्रक के कैबिन में करीब 8 क्विंटल नकली मावा होना बताया। देवरी पुलिस द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर फूड इंस्पेक्टर कैलाश वास्केल ने मौके पर पहुंचकर वैधानिक कार्यवाही की गई।

इंदौर: स्थाई रूप से बंद हुई काशी महाकाल एक्सप्रेस

इंदौर। इंदौर से बनारस के बीच पिछले साल शुरू की गई काशी महांकाल एक्सप्रेस ट्रेन को अब स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कोरोना की वजह से यह ट्रेन मात्र 33 दिन ही चल सकी थी। यह पिछले साल 20 फरवरी से शुरू हुई थी और 23 मार्च से कोरोना फैल गया था, तो बंद हो गई थी। इंदौर-उज्जैन- काशी के बीच चलने वाली काशी महाकाल एक्सप्रेस को दोबारा चलाने से एजेंसी ने हाथ खींच लिए है। वाराणसी से महांकाल की नगरी उज्जैन होकर इंदौर आने वाली ये ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलती थी। हफ्ते में तीन दिन यह ट्रेन इंदौर से उज्जैन होते हुए काशी जाती थी, लेकिन अब इंडियन रेल कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन ने इस सुपरफास्ट ट्रेन को चलाने से हाथ खींच लिए हैं।

रायपुर: लोकसभा स्थायी समिति ने गोधन योजना को सराहा

रायपुर। लोकसभा में कृषि मामलों की स्थायी समिति ने सदन में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की गोधन न्याय योजना की सराहना करते हुए केंद्र सरकार को किसानों से मवेशियों के गोबर खरीद की ऐसी ही योजना पूरे देश के लिए शुरु किए जाने की सलाह दी है। राज्य सरकार की बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री पर्वतागौड़ा चंदनगौड़ा गद्दीगौडर की अध्यक्षता वाली लोकसभा की कृषि मामलों की स्थायी समिति ने केंद्र सरकार को दिए अपने सुझाव में कहा है कि किसानों से उनके मवेशियों का गोबर खरीदने से उनकी आय में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे, जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही आवारा मवेशियों की समस्या का भी समाधान होगा।

महाशिवरात्रि पर काशी हुई बम-बम, आस्था की दूर-दूर तक लगी कतार

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर्व पर काशी आधी रात के बाद से ही बम बम है। आस्थावानों के जयकारे और उद्घोष के साथ ही शिवालयों पर आस्था की कतार जलाभिषेक के लिए उमड़ी तो लगा मानो आस्था का पूरा सागर ही उमड़ पड़ा हो। तड़के गंगा स्नान करने के बाद लोगों ने जल भरकर बाबा दरबार की ओर रुख किया तो परिसर हर हर बम- बम से गूंज उठा। मंदिर प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार सुबह दस बजे तक एक लाख लोगों ने बाबा दरबार में जलाभिषेक कर लिया था।

दोपहर 12 बजे तक बाबा दरबार में करीब डेढ़ लाख लोगों ने बाबा दरबार में दर्शन पूजन कर लिया तो लोगों की भीड़ भी कम हो चली। वहीं मैदागिन से चौक थाने वाली कतार खाली होने से यातायात भी बहाल हो गया। हालांकि, लक्सा लाइन दोपहर तक पूरी तरह आस्थावानों से भरी रही। दोपहर में धूप और चटख हुई तो आस्थावानों ने सिर ढंककर अपनी बारी का इंतजार किया।

काशी विश्वनाथ स्थित बाबा दरबार के अलावा बीएचयू विश्वनाथ दरबार, रामेश्वर, तिलभांडेश्वर महादेव, मारकंडेश्वर महादेव आदि प्रमुख शिवालयों में आस्थावानों की भीड़ उमड़ी। गंगा - गोमती संगम स्थल के अलावा विभिन्न घाटों पर शिवालयों में लोगों ने जलाभिषेक कर अपनी आस्था व्यक्त की। गंगा घाट से लेकर एक ओर कतार बाबा दरबार तक थी तो दूसरी ओर मैदागिन और चर्च के पास से भी बाबा दरबार तक लोगों की अनवरत कतार दिन चढ़ने तक बरकरार रही।

महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर सारनाथ स्थित सारंगनाथ महादेव मंदिर पर दर्शन

पूजन के लिए सुबह से ही आस्था की कतार लगी रही। भक्त मन्दिर के मुख्य द्वार भीतर तक कतारें दोपहर तक लगी रहीं।

दर्शन पूजन के लिए सुबह से ही भक्त हाथों में पवित्र जल , बेलपत्र , माला-फूल लेकर कतार में खड़े होकर जलाभिषेक के लिए अपनी बारी आने का इंतजार करते रहे। वहीं पूर्वांचल के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी आस्थावानों की कतार लगी रही। भदोही, मीरजापुर, चंदौली, गाजीपुर और बलिया आदि जिलों में सुबह से ही गंगा नदी में स्नान करने वालों की भीड़ लगी रही। जबकि मऊ, आजमगढ़ और बलिया जिले में सरयू नदी के तट पर भी स्नान दान की परंपरा का निर्वहन किया गया। सोनभद्र में सोन नदी और जौनपुर में गोमती नदी के तट पर आस्थावानों ने स्नान दान कर अपनी आस्था प्रकट की।

भोलेनाथ की नगरी काशी में एक दिन पूर्व से ही दर्शन करने आने वालों की भीड़ नजर आने लगी थी। वहीं आधी रात के बाद से ही द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाने और जलाभिषेक की मंशा लिए लोगों की भीड़ डटी रही। तड़के गंगा में स्नान ध्यान कर बाबा दरबार की ओर लोगों की भीड़ बढ़ी तो सुरक्षा चाक चौबंद नजर आई। बैरियर से होकर लोगों को दर्शन के लिए कतारबद्ध किया गया।

काशी में महाशिवरात्रि पर बाबा का विवाहोत्सव मनाने की परंपरा है। इस विशेष तिथि पर शिवयोग का दुर्लभ संयोग मिल रहा है।

इस योग में बाबा का विवाहोत्सव मनाया जाएगा। इस बार विशेष रूप से बाबा सूखे मेवे का सेहरा धारण करेंगे तो वहीं माता पार्वती गुजराती लहंगा पहनेंगी। इसके साथ ही काशी में बाबा की बरात भी निकाली जाएगी। जिसमें बाबा के गण शामिल रहते हैं। बरात में शामिल होने वाले भक्त बाबा के मित्रों का वेष धरे रहते हैं। इसके साथ ही आज मंगलाआरती से लेकर 12 मार्च को रात 11 बजे तक बाबा भक्तों के साथ जगेंगे।

गंगा जमुनी तहजीब की बिखरी रंगत

धर्म और आध्यात्म के साथ ही मोक्ष की भी नगरी काशी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी महाशिवरात्रि का अनोखा रंग चढ़ा नजर आया।

काशी में मुस्लिमों ने शिव भक्तों पर मंदिर दर्शन के लिए जाते समय पुष्पवर्षा कर गंगा जमुनी तहजीब की परंपरा का निर्वहन किया। गंगा - जमुनी तहजीब की परंपरा के निर्वहन की यह प्रत्येक वर्ष प्रक्रिया अब परंपरा का हिस्सा बन चुकी है। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए जाते समय आस्थावानों पर टोकरी से भरकर सभी पर पुष्पवर्षा कर भाईचारा और सौहार्द का संदेश दिया।

राजद नेता तेजस्वी यादव पटना में पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ।

वाराणसी में मुसलमानों ने किया शिव भक्तों का स्वागत

वाराणसी । उत्तर प्रदेश की धार्मिक तथा सांस्कृति राजधानी के रूप में विख्यात वाराणसी ने गुरुवार को महाशिवरात्रि पर्व पर अनेकता में एकता के साथ सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल भी पेश की। महाशिवरात्रि पर्व पर यहां आधी रात से ही आस्था की कतार लगी है। पूरी काशी शिवमय है। इसी दौरान आज दिन में मुसलमानों ने फूल की पंखुडियों की वर्षा कर शिव भक्तों का स्वागत किया। धर्म और आध्यात्म के साथ ही मोक्ष की भी नगरी काशी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी महाशिवरात्रि का अनोखा रंग चढ़ा नजर आया। अपनी अलमस्ती और फक्कड़पन के लिए मशहूर काशी में महादेव की महाशिवरात्रि में साम्प्रदायिक सौहार्द का अनूठा नजारा देखने को मिला। गुरुवार को धर्मनगरी वाराणसी में महाशिवरात्रि का पर्व धूम-धाम के साथ मनाया जा रहा है और हर कोई बाबा की भक्ति में लीन दिखाई दे रहा है।

इन सबके बीच एक अलग तस्वीर देखने को मिली है। यहां पर बाबा के दर्शन करने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर मुस्लिम

समुदाय के युवक व युवतियों ने गुलाब की पंखुडियों की बारिश की। पुष्प वर्षा कर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यह संदेश दिया कि देश में हर धर्म के लिए हर त्यौहार समान महत्व रखता है। खड़े श्रद्धालुओं पर मुस्लिम समुदाय के युवक व युवतियों ने गुलाब की पंखुडियों की बारिश की। इस पुष्प वर्षा कर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यह संदेश दिया कि देश में हर धर्म के लिए हर त्यौहार समान महत्व रखता है।

गोदौलिया से लेकर से यहां काशी विश्वनाथ मंदिर तक कतार होकर खड़े लोगों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फूलों की बारिश करते हुए ओम नमः शिवाय नारे का जयघोष लगाया। आज बड़ी संख्या में पहुंचे मुस्लिम महिला और पुरुषों ने शिव भक्तों पर फूलों की बारिश करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि भारत अनेकता में एकता का संदेश देने वाला देश है।

काशी में मुस्लिमों ने शिव भक्तों पर मंदिर दर्शन के लिए जाते समय पुष्पवर्षा कर गंगा जमुनी तहजीब की परंपरा का निर्वहन किया। गंगा - जमुनी तहजीब की परंपरा के निर्वहन की यह प्रत्येक वर्ष प्रक्रिया अब परंपरा का हिस्सा बन चुकी है। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए जाते समय आस्थावानों पर टोकरी से भरकर सभी पर पुष्पवर्षा कर भाईचारा और सौहार्द का संदेश दिया।

फूल बरसाने वाले स्थानीय मोहम्मद आसिफ के साथ कलीम, परवीन, आसमां तथा इमरान ने बताया कि हमको तो पता है कि हर भारतीय हर धर्म को सम्मान देता है। इसी कारण लोगों को आज यहां महाशिवरात्रि के मौके पर अनोखा नजारा देखने को मिला। आज का यह अवसर लोगों को बताने के लिए काफी हैं कि भारत में सब धर्म एकजुट है और हर त्यौहार सभी साथ में मनाते हैं।

पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह ने जताया खतरा, प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल से फतेहगढ़ सेंट्रल जेल ट्रांसफर

प्रयागराज । लखनऊ में मऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह तथा उसके साथी की हत्या में साजिशकर्ता पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह को प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में जान का खतरा लगने लगा। धनंजय सिंह की अर्जी पर गुरुवार को उसको फर्रूखाबाद के फतेहगढ़ सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया है।

जौनपुर से बहुजन समाज पार्टी के सांसद रहे बाहुबली को अब फतेहगढ़ जेल में माफिया वाराणसी के सुभाष ठाकुर और मुन्ना बजरंगी की बागपत जिला जेल में हत्या के आरोपित सुनील राठी के साथ रखा जाएगा। आज ही पूर्व सांसद धनंजय सिंह का जेलस्थल बदला गया है। धनंजय सिंह ने प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में अपनी जान का खतरा बताया था। बागपत की जिला जेल में मुन्ना बजरंगी की हत्या के साजिशकर्ता माने जा रहे रहे धनंजय सिंह को गुरुवार को उसी फतेहगढ़ सेंट्रल जेल ट्रांसफर किया गया है, जहां पर मुन्ना बजरंगी की जेल में हत्या का मुख्य आरोपित सुनील राठी बंद है। सुनील राठी के साथ वहां पर वाराणसी निवासी माफिया सुभाष ठाकुर, प्रयागराज का माफिया पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिलीप पहले से ही फतेहगढ़ जेल में बंद हैं।

नैनी सेंट्रल जेल में माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और माफिया अभय सिंह के कई गुर्गे और शार्प शूटर बंद हैं। इसके साथ ही साथ पश्चिमी यूपी के कई शातिर अपराधी भी नैनी सेंट्रल जेल में बंद है। पश्चिम का शातिर अपराधी सागर मलिक जिसने मुजफ्फरनगर कोर्ट के अंदर विक्की मालिक की हत्या की थी वह भी इसी जेल में बंद है। नैनी सेंट्रल जेल में 68 ऐसे बड़े कैदी बंद है जो कि दूसरे जिलों से ट्रांसफर किए गए थे और बड़े अपराधी हैं। जिनसे बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जान को खतरा था।

प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में बंद पूर्व सांसद धनंजय सिंह को गुरुवार की सुबह कड़ी सुरक्षा में फर्रुखाबाद की सेंट्रल जेल फतेहगढ़ स्थानांतरित कर दिया गया। बुधवार देर रात उनके स्थानांतरण का आदेश जेल प्रशासन को मिला था। इसके बाद सुबह 10ः05 बजे उन्हें जेल प्रशासन ने पुलिस के हवाले किया। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक पी एन पाण्डेय का कहना है कि देर रात शासन से आदेश मिलने के बाद ही धनंजय सिंह को यहां से फतेहगढ़ जेल भेजने की तैयारी शुरू हो गई थी। पिछले सप्ताह प्रयागराज के एमपी/एमएलए कोर्ट में सरेंडर के बाद धनंजय सिंह को नैनी जेल में निरुद्ध किया गया था।

बुधवार रात आया था शासन का फरमान ः केंद्रीय कारागार नैनी के वरिष्ठ जेल अधीक्षक पी एन पांडे का कहना है कि देर रात शासन से आदेश मिलने के बाद ही धनंजय सिंह को यहां से फतेहगढ़ जेल भेजने की तैयारी शुरू हो गई थी। पिछले सप्ताह उन्हें नैनी जेल से निरुद्ध किया गया था।

बाहुबली सांसद ने किया था प्रयागराज की कोर्ट में किया था सरेंडर- मऊ जिले के ब्लाक प्रमुख रहे अजीत सिंह की प्रदेश की राजधानी लखनऊ में छह जनवरी को हत्या हो गई थी। इस मामले की साजिश रचने वाले पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह लखनऊ की कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी हुआ था। इसके बाद लखनऊ पुलिस ने धनंजय सिंह पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। पूर्व सांसद की संपत्ति कुर्क करने की पुलिस तैयारी कर रही थी। इस बीच पांच मार्च शुक्रवार को धनंजय सिंह ने एमपीएमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पूर्व सांसद को नैनी जेल भेज दिया गया था।

पर्यटन विभाग के होटलों में 40 फीसदी की मिलेगी छूट

सेनानियों ने मुख्यमंत्री व मंत्री का जताया आभार

ग्वालियर, (एजेंसी)। प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग के होटलों, रिसोर्ट आदि में भोजन व ठहरने के लिए 40 प्रतिशत की छूट की सुविधा बहाल हो गयी है। ज्ञातव्य हो कि कमलनाथ की तत्कालीन सरकार ने उक्त सुविधा को बढ़ाने से मना कर दिया था।

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय सयुंक्त सचिव मदन बाथम के मुताबिक संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने प्रदेश की पर्यटन मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर से भेंटकर उपरोक्त सुविधा बहाल करने का आग्रह किया था, जिसे मंत्री ने सिद्धांत स्वीकार करते हुए तदाशय के आदेश पर्यटन विकास निगम के सीएमडी को जारी कर दिए। जारी सुविधा के अनुसार लोकतंत्र सेनानी को अति विशिष्ट अतिथि को आवास तथा भोजन पर 40 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही एक समय में भोजन सुविधा हेतु 6 व्यक्ति तथा दो कक्षों को आरक्षण कराने की छूट प्रदान की जाएगी। यह सुविधा 28 फरवरी 2023 तक ही वैध रहेगी। लोकतंत्र सेनानी को अति विशिष्ट अतिथि के रुप में विशेष सम्मान का ध्यान रखा जाएगा। कार्ड बनवाने के लिए लोकतंत्र सेनानियों को दस्तावेजों के साथ पर्यटन विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में आवेदन करना होगा।

बुरहानपुर में आठ देशी पिस्तौलों के साथ दो सिकलीगर धराए

बुरहानपुर। खकनार पुलिस को मंगलवार को मुखबीर से सूचना मिली की दातपहाड़ी जंगल से पाचौरी की ओर दो व्यक्ति बिना नंबर की मोटर सायकल से अवैध पिस्टल लेकर आने वाले है। पुलिस टीम ने थ ग्राम पाचोरी से दातपहाड़ी-पाचोरी मार्ग पर पुलिया के पास नाकाबंदी किया।

दातपहाड़ी जंगल कि तरफ से मोटर सायकल पर दो लोग आते दिखे जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा तथा नाम पता पूछने पर अपना नाम हरपाल सिंग पिता औंकारसिंग चौहान सिकलीगर 27 वर्ष ग्राम पाचोरी, दानसिंग पिता प्यारसिंग चावला सिकगीर 22 वर्ष निवासी ग्राम पाचोरी की तलाशी ली तो दानसिंग के पास दो पिस्टल तथा हरपालसिंग के पास दो पिस्टल और मोटर सायकल की सीट खुलवाई तो सीट के नीचे चार पिस्टल

और मैग्जीन और मिलीं। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। आरोपी दानसिंग 2017 में भी चार पिस्टलों के साथ पकड़ा जा चुका है।

दुबई में लव मैरिज, अब धर्म परिवर्तन का बना रहा दबाव

युवती ने कराया हैदराबादी पति के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर, (एजेंसी)। एक युवती से हैदराबाद के युवक ने दुबई में लव मैरिज शादी कर ली। शादी से पहले युवक ने युवती से वादा किया कि धर्म परिवर्तन नहीं कराएगा। लेकिन बाद में उसे धर्म बदलने के लिए प्रताड़ित करने लगा। युवती अपनी बेटी के साथ इंदौर लौट आई। पति ने यहां भी परेशान करना शुरू कर दिया। इसके बाद उसने पति के खिलाफशिकायत दर्ज कराई है।

बामगंगा पुलिस को युवती ने बताया कि वह 6 साल पहले दुबई की एक कंपनी में नौकरी करती थी। यहां सलीम समदानी भी नौकरी करता था। सलीम ने उसे झांसे में लिया और कहा कि मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। मगर तुम्हारा धर्म परिवर्तन नहीं कराऊंगा। तुम अपने देवी-देवताओं की पूजा भी कर सकती हो। सलीम के इस बहकावे में आकर मैंने उससे शादी कर ली। कुछ समय बाद सलीम ने धर्मपरिवर्तन के लिए दबाव बनाने लगा। उसने मना किया तो मारपीट कर प्रताड़ित करने लगा।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति को छोड़कर अपनी बेटी के साथ पिता के घर इंदौर आ गई। इसी बीच सलीम भी हैदराबाद आ गया। उसने मुझे धर्म परिवर्तन नहीं करने पर बेटी सहित जान से मारने की धमकी दी है। बाणगंगा पुलिस ने युवती ने पति सलीम पिता शेख अब्दुल रहीम निवासी हैदराबाद के खिलाफ धारा 498, 294, 506 का प्रकरण दर्ज किया है।

सारंगपुर, मंदसौर और उज्जैन में हादसे

प्रदेश में तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में छह की मौत

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो कर खाई में गिरी

सारंगपुर, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 52 पर मऊ के आगे डिंगलपुर जोड़ के पास मंगलवार शाम को तेज गति से जा रही कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी जिससे कार में सवार बुजुर्ग व बालिका की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कार क्रमांक जीजे 05 आरएच 5115 सूरत गुजरात से चलकर बनारस उत्तर प्रदेश जा रही थी तभी एनएच 52 पर डिंगल पुर जोड़ के समीप द्वारका प्रसाद गोयल के कुएं के सामने कार तेज रफ्तार से चलने के दौरान अनियंत्रित होकर खाई में गिर कर चकनाचूर हो गई तथा कार में सवार बुजुर्ग वंशराज पाल उम्र 65 वर्ष कार का गेट खुल जाने से उछलकर रोड के समीप सूखे कुएं में गिर जाने से मौके पर ही मौत हो गई तथा कार में सवार छोटी बालिका पूर्वी पाल पिता मंगल प्रसाद पाल उम्र 3 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गई 108 वाहन काफी देर से आई जिसके चलते बालिका ने सिविल अस्पताल सारंगपुर ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। तथा कार में सवार लड़की की माता पुष्पा पाल पति मंगल प्रसाद पाल उम्र 24 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे प्राथमिक उपचार के बाद शाजापुर रेफर कर दिया।

टायर फटने से पलटी कार, डॉ. समेत दंपति की मौत

मंदसौर। रतलाम जिले के ताल रोड स्थित ग्राम मुंडला के पास एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें सवार सुवासरा निवासी जैन दंपती की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुवासरा निवासी डॉ. संजय पुत्र बाबूलाल जैन अपनी पत्नी डॉ. साधना जैन के साथ सुबह पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने रतलाम जा रहे थे। वे आलोट होकर जावरा रोड पर जा रहे थे। तभी ताल-जावरा के बीच ग्राम मुंडला में टायर फटने से तेज गति से जा रही कार पलटती हुई सड़क किनारे जा गिरी। पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

नीलगाय से मोटरसाइकिल भिड़ी, दो की गई जान

उज्जैन/उन्हेल। उन्हेल के समीपस्थ बरखेड़ा मांडन रोड पर सरवना के समीप मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक एवं एक छात्र को नील गाय (घोड़ा रोज) ने टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार श्याम पिता जग्गनाथ उम्र 22 वर्ष मिस्त्री का काम करता है उसने ऑनलाइन जूते मंगाए थे, उन्हें लेने उन्हेल लाया था जिसे लेकर वह अपने गांव सरवाना जा रहा था कि तभी संतोष पिता जगदीश उम्र 14 वर्ष दसवीं का छात्र निजी कोचिंग से रोज मैजिक से अपने गांव जाता था परंतु श्याम को देखकर उसने लिफ्ट मांगी और दोनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे तभी बेडावन और सरवना के बीच नीलगाय (घोड़ा रोज) तेज गति से आये और मोटरसायकल से भिड़ंत हो गई।

बड़े भाई ने छोटे भाई और उसकी गर्भवती पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा

दतिया । जिले के धीरपुरा थाना क्षेत्र में बड़े भाई ने अपने सगे छोटे भाई व उसकी गर्भवती पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी। शादी न होने से आरोपी हीनभावना का शिकार था। क्योंकि छोटे भाई की शादी उससे पहले हो गई थी। खुद की शादी न होने के पीछे वह छोटे भाई और उसकी पत्नी को ही दोषी मानता था। बताते हैं कि खुद का घर बसा नहीं तो इसी डिप्रेशन में उसने अपनों का भी संसार उजाड़ दिया। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्राम बेहरूका निवासी संतोष कुशवाह (28) के छोटे भाई किशन की शादी लॉकडाउन में हो गई थी। उसकी खुद की शादी किन्हीं कारणों से नहीं हो पाई। इसके बाद से वह घर में विवाद करने लगा। वह कहता था कि छोटे की शादी पहले हो गई है, इसकी वजह से अब उसकी शादी नहीं होगी। इसी बात को लेकर आरोपी संतोष पुत्र हरिदास कुशवाह ने मंगलवार की देर रात छोटे भाई किशन व उसकी पत्नी प्रियंका से झगड़ा किया।

आरोपी संतोष ने कहा कि मेरी भी शादी कराओ, नहीं तो मैं जिंदा रहने नहीं दूंगा। हालांकि विवाद के बाद प्रियंका और किशन अपने कमरे में सोने चले गए लेकिन देर रात आरोपी संतोष ने सोते समय छोटे भाई किशन व उसकी पत्नी प्रियंका पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। दोनों की गर्दन काट दी। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी घर से फरार हो गया। घटना की जानकारी परिजनों को लगी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को दबोच कर जेल भेज दिया है।

एक नजर

पांच पटवारियों की एक-एक वेतन वृद्धि रोकी

जबलपुर। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देशानुसार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी सिहोरा जे पी यादव ने रबी 2020.21 में त्रुटिपूर्ण फसल गिरदावरी करने वाले पांच पटवारियों की एक-एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए हैं। जिन पटवारियों की वेतन वृद्धि रोकी गई है उनमें राजस्व निरीक्षक मंडल मझगवां में पदस्थ पटवारी अभिलाषा पाठक, कृष्ण कुमार दाहिया, सागर कोल्हापुरे एवं रवि पटेल तथा राजस्व निरीक्षक मंडल खितौला में पदस्थ पटवारी आकाश खटीक शामिल है। इन पटवारियों द्वारा की गई त्रुटिपूर्ण गिरदावरी को शासकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही माना गया है तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा ;वर्गीकरण एवं नियंत्रण तथा अपीलद्ध नियम 1966 के प्रावधानों के तहत उनकी एक.एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है ।

प्रस्तावित गाइड लाइन की दरों पर 16 तक सुझाव आमंत्रित

जबलपुर। अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य की संगणना हेतु जिला मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्तावित गाइड लाइन वर्ष 2021.22 की दरों से संबंधित सुझाव 16 मार्च तक जिला पंजीयक कार्यालय में प्रस्तुत किया जा सकता है। जिला पंजीयक एवं संयोजक जिला मूल्यांकन समिति द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक प्रस्तावों का अवलोकन जिला पंजीयक कार्यालय में किया जा सकता है। बताया गया कि जिले के अंतर्गत आने वाली अचल संपत्तियों भूखण्ड एवं कृषि भूमि के बाजार मूल्य की संगणना हेतु मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना एवं उनका पुनरीक्षण नियम 2018 में विहित प्रक्रिया के अनुरूप गाईड लाइन वर्ष 2021.22 की दरें निर्धारित करने हेतु 10 फरवरी को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई थी। इस बैठक में प्राप्त दरों के प्रस्ताव आम जनता के अवलोकनार्थ रखा गया है। अवलोकन के बाद नागरिक अपना सुझाव दे सकते हैं।

बढ़ने लगे कोरोना के मरीज मिले 39 नए मरीज

जबलपुर। कोरोना से स्वस्थ होने पर बुधवार दस मार्च को 16 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। वहीं बीते चौबीस घण्टे के दौरान मिली 961 सेम्पल की परीक्षण रिपोर्ट्स में कोरोना के 39 नये मरीज सामने आये हैं । आज डिस्चार्ज हुये 16 व्यक्तियों को मिलाकर जबलपुर में कोरोना संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या 16 हजार 459 हो गई है और रिकवरी रेट 97.43 प्रतिशत हो गया है । कल मंगलवार की शाम 6 बजे से आज बुधवार की शाम 6 बजे तक पिछले चौबीस घण्टे के दौरान मिले 45 कोरोना संक्रमितों को मिलाकर कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या 16 हजार 893 हो गई है । पिछले चौबीस घण्टे में कोरोना से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है । जबलपुर में कोरोना से जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या 252 ही है । कोरोना के एक्टिव केस अब 182 हो गये हैं । कोरोना टेस्ट हेतु बुधवार को 847 व्यक्तियों के सेम्पल लिये गये हैं ।

मिशन नगरोदय कार्यक्रम का आयोजन 12 मार्च को

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग मंत्रालय के पत्र 5 मार्च के अनुसार 12 मार्च को नगरीय निकायों में मिशन नगरोदय कार्यक्रम का आयोजन किया जाना हैए जिसके अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान लाईव प्रसारण के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को संबोधित कर उन्हें लाभ प्रदान करेगें। इस संबंध में निगमायुक्त संदीप जी आर ने एक आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को आदेशित किया है कि मिशन नगरोदय कार्यक्रम का आयोजन मानस भवन में सुनिश्चित करें और 03:00 बजे से 04:30 बजे तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लाईव प्रसारण की व्यवस्था के साथ.साथ अन्य सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने इसके लिए स्मार्ट सिटी के सीईओ आशीष कुमार पाठक, अपर आयुक्त वित्त महेश कोरी, परमेश जलोटे, उपायुक्त अंजू सिंह ठाकुर, अधीक्षण यंत्री अजय शर्मा, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, शिक्षा अधिकारी वीणा वर्गीस, उद्यान अधिकारी आदित्य शुक्ला सहित अन्य अधिकारियों को अलग अलग कार्यो का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

200 करोड़ का लोन ले न चुकाने का फर्जीवाड़ा, क्राइम ब्रांच ने की गिरफ्तारी

अहमदाबाद । गांधीनगर क्राइम ब्रांच ने इलेक्ट्रोथर्म कंपनी के मालिक को फर्जी दस्तावेज से 200 करोड़ का लोन लेकर नहीं चुकाने के आरोप में गिरफ्तार किया। इलेक्ट्रोथर्म इंडिया लिमिटेड कंपनी के संचालक शैलेश भंडारी मुकेश भंडारी तथा नागेश भंडारी ने 1994 में गांधीनगर के पलोडिया गांव में कंपनी की स्थापना की थी।

कंपनी का हिसाब-किताब तथा लेन-देन के सभी काम बड़े भाई शैलेश भंडारी किया करते थे। 2010 में उनके छोटे भाई मुकेश भंडारी चेयरमैन थे। इसी दौरान शैलेश भंडारी तथा नागेश भंडारी ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से 200 करोड़ रुपए का लोन उठाया तथा इसके लिए तैयार किए गए दस्तावेजों में अपने ही भाई मुकेश भंडारी के फर्जी दस्तखत कर यह रकम उठा ली।

इलेक्ट्रोथर्म कंपनी के लिए दिए गए इस लोन की एवज में इन्होंने भाइयों की भागीदारी की जमीन के दस्तावेज बैंक के पास रखें जिनमें मुकेश भंडारी के फर्जी दस्तखत कर लिए गए थे। 200 करोड़ रुपए की लोन अब ब्याज सहित 315 करोड रुपए का कर्ज बन चुकी है लेकिन भंडारी बंधुओं ने बैंक को 1 रुपया भी नहीं लौटाया।

मुकेश भंडारी ने गांधीनगर के साथ एक पुलिस थाने में अपने ही भाइयों के खिलाफ फर्जी दस्तावेज बनाकर लोन उठाने तथा उसके फर्जी दस्तखत कर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज कराया। जिसके बाद गांधीनगर क्राइम ब्रांच ने शैलेश भंडारी को गिरफ्तार कर लिया।

इलेक्ट्रोथर्म कंपनी लंबे समय से विवादों में है बैंकों से लोन लेकर समय पर नहीं चुकाने तथा आर्थिक अनियमितताओं को लेकर पहले भी कई बार इस कंपनी का नाम विवादों में आ चुका है। इलेक्ट्रोथर्म कंपनी पब्लिक लिस्टेड कंपनी है तथा बड़े पैमाने पर शेरहोल्डर्स की रकम उठाकर इसके प्रमोटर भंडारी बंधु दूसरे खाते में ट्रांसफर करते रहे तथा बैंक से लिया गया लोन भी नहीं चुकाया है। हाल में कंपनी के 6500 शेयर होल्डर हैं। कंपनी के दूसरे पर मोटर नागेश भंडारी इंडस यूनिवर्सिटी का संचालन करते हैं तथा फिलहाल में फरार बताए जा रहे हैं।

केंद्र के निर्देश मिले तो राजस्थान सरकार ने 186 विदेशी नागरिकों को तलाशा

जयपुर । राजस्थान आकर लंबे समय से लापता चल रहे 684 विदेशी नागरिकों में 186 को पुलिस ने तलाश लिया है । इनको खोजे जाने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय को सूचना दी गई है। अब गृह मंत्रालय से दिशा-निर्देश मिलने के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा। शेष की तलाश की जा रही है। लापता विदेशी नागरिक पिछले चार से पांच सालों में धार्मिक या लोंग टर्म वीजा पर राजस्थान आए और फिर वापस नहीं लौटे। इन लोगों ने सरकारी एजेंसियों से भी संपर्क नहीं किया। इनमें पाकिस्तान, अफगानीस्तान, बांग्लादेश व म्यामांर के नागरिक शामिल है।

प्रदेश के जोधपुर, जैसलमेर व बाड़मेर सहित कई जिलों में बडी संख्या में पाक विस्थापित रहते हैं। इन्हे तलाशने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसी साल जनवरी माह में राज्य सरकार को निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रदेश सरकार ने गृह विभाग के सचिव एन.एल.मीणा की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी। कमेटी ने इंटेलिजेंस एजेंसी के अफसरों के साथ ही जिला पुलिस अधीक्षकों को लापता विदेशी नागरिकों को खोजने का जिम्मा सौंपा था। करीब एक माह में 186 नागरिकों को तलाश लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 4 लाख 21 हजार 255 विदेशी नागरिक लापता हैं। ये सभी नागरिक वीजा लेकर भारत आए थे और फिर ये वापस नहीं लौटे। लापता लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना जा सकता है। इसी लिहाज से इनकी तलाश तेज की गई है।

उधर पाकिस्तान सीमा से सटे राजस्थान के सीमावर्ती जिलों बाड़मेर, जैसलमेर व श्रीगंगानगर में सुरक्षा बढ़ाई गई है।

पीएम मोदी की मां हीराबेन को लगा कोरोना टीका, प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके खुद दी जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन को कोरोना टीके का पहला डोज लग गया है। इसकी जानकारी खुद प्रधानमंत्री मोदी ने दी है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके कहा कि यह बताते हुए काफी प्रसन्नता हो रही है कि मेरी मां ने आज कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है। मैं हर किसी से आपके आसपास के लोगों की मदद करने और उन्हें टीका लगवाने के लिए प्रेरित करने का आग्रह करता हूं, जो टीका लगवाने के पात्र हैं। गत दिनों गुजरात सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने हीराबा के छोटे पुत्र पंकज मोदी से हीराबेन को कोरोना का लगाने के संबंध में संपर्क किया था। पंकज मोदी ने तब कहा था कि इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा कर निर्णय किया जाएगा। हीरा बा ने गांधीनगर में कोरोना का टीका लगवाया।

बता दें कि गत तीन जनवरी को कोरोना की दो वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की

कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई। 16 जनवरी से टीककारण की शुरुआत हुई। पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण हुआ। वहीं दूसरे चरण की शुरुआत एक मार्च से हुई। अब आम लोगों को भी टीका लगाया जा रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में टीकाकरण शुरु हो गया है। फिलहाल 60 साल से ऊपर के लोगों और गंभीर रोग वाले 45 साल से ऊपर के लोगों को टीका लगाया जा रहा है।

1 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने पहली खुराक ली थी

प्रधानमंत्री मोदी ने 1 मार्च को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में वैक्सीन की पहली खुराक ली थी। इसके बाद उन्होंने ट्वीट करके कहा था कि एम्स में कोविड-19 वैक्सीन की मेरी पहली खुराक ली। उन्होंने यह भी कहा था कि डॉक्टरों व विज्ञानियों ने बहुत कम समय में बहुत सराहनीय काम किया है। उन्होंने टीकाकरण के योग्य सभी लोगों को टीका लगवाने की अपील की। मोदी ने टीका लगवाते हुए अपनी तस्वीर साझा की थी।

आमजनों के लिए टीकाकरण शुरू होने के बाद से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नामचिन लोगों ने कोरोना टीके की पहले डोज ले ली है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में अब तक कुल दो करोड़ 56 लाख 85 हजार 011 लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

जोधपुर में एसीबी ने सरपंच को दस हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

जोधपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने राजस्थान में जोधपुर जिले के शेखाला तहसील के कनोडिया पुरोहितान के सरपंच को रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार किया है। एसीबी ने ग्राम पंचायत कानोडिया पुरोहितान पंचायत समिति सेखाला जिला जोधपुर के सरपंच सांग सिंह पुत्र विजय सिंह (50) को दस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए पकड़ा। गांव के ही जनता जल योजना में जुड़े देवाराम को पुनः नौकरी पर लगाने के लिए सरपंच ने 20000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसकी पुष्टि होने पर रिश्वत राशि की दूसरी किस्त के एवज में दस हजार रुपये देते हुए घूसखोर सरपंच एसीबी के हत्थे चढ़ गया। जोधपुर पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से मिली जानकारी के अनुसार, देवाराम ने एसीबी में इसकी शिकायत की थी।

जिसके अनुसार वह ग्राम पंचायत कनोडियां पुरोहितान ने जनता जल योजना (जेजेवाई) श्मशान घाट ट्यूबवेल पर पंप चालक के पद पर नियुक्त किया था। सरपंच सांग सिंह ग्राम पंचायत कनोडिया पुरोहितान ने दिनांक 10 नवंबर, 2020 को जनता जल योजना से हटा दिया।

पुनः इस पद पर नियुक्त होने के लिए सरपंच सांग सिंह से संपर्क किया तो उसने वापस नियुक्त करने के लिए तीस हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग की। बाद में 20 हजार रुपये रिश्वत देने पर इस पद पर पुनः नियुक्त करने का आश्वासन दिया। बाद में 15000 रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद देवाराम को वापस पंप चालक पर नियुक्त करने के एवज में मांग सत्यापन पांच हजार रुपये परिवादी देवाराम से रिश्वत राशि दे दी गई थी। शेष 10 हजार रुपये की वीरवार को मांग की गई। इस पर परिवादी द्वारा बकाया राशि देने के समय इशारा पाकर एसीबी ने सांग सिंह राज पुरोहित सरपंच कानोडिया पुरोहितान को परिवादी से रिश्वती राशि 10000 रुपये लेते पकड़ लिया।

सरपंच ने रुपये लेकर अपने कमरे में रखे पलंग के गददे के नीचे रखे। जहां से रिश्वती राशि बरामद की जाकर सरपंच के दोनों हाथों व पलंग के गददे के नीचे का धोवन लिया गया तो उक्त धोवन का रंग गुलाबी प्राप्त हुआ ।

शिवभक्त हैदराबाद में एक मंदिर में महाशिवरात्रि उत्सव के दौरान शिवलिंग की पूजा करते हुए।

आठ सौ से अधिक बुजुर्ग व दिव्यांग व्यक्तियों को घर जाकर बांटा राशन

जबलपुर में प्रारंभ हुई मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना

जबलपुर। बुजुर्गों, बीमार और दिव्यांग व्यक्तियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली का खाद्यान्न घर पहुंचाकर देने की मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना जबलपुर जिले में भी प्रारम्भ हो गई है । ग्वालियर के बाद जबलपुर प्रदेश में दूसरा जिला है, जहां इस योजना को लागू किया गया है। जिले में यह योजना इसी सोमवार से प्रारम्भ हुई और दो दिनों में ही 800 से अधिक बुजुर्ग बीमार और दिव्यांग हितग्राहियों को उनके घर जाकर राशन दिया जा चुका है । बुजुर्गों और दिव्यांगों को उचित मूल्य दुकानों से घर जाकर राशन प्रदान करने की मुख्यमंत्री आशीर्वाद योजना की शुरुआत ग्वालियर

में की गई थी । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फरवरी माह की सात तारीख को अपने ग्वालियर प्रवास के दौरान इस योजना का शुभारम्भ किया था और जल्दी ही मॉडल के तौर पर इसे पूरे प्रदेश में लागू करने के निर्देश दिये थे। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा खुद मुख्यमन्त्री आशीर्वाद योजना के तहत बुजुर्गों एवं दिव्यांगों को घर जाकर खाद्यान्न प्रदान करने के कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। श्री शर्मा ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को दिन. प्रतिदिन की रिपोर्ट उन्हें भेजने के निर्देश भी दिये हैं ।

कटंगी पारदेश्वर महादेव को मिला गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में लार्जेस्ट पारद शिवलिंग का दर्जा

जबलपुर (एजेंसी)। प्रज्ञा पीठ प्रज्ञा धाम कटंगी में नौ दिवसीय 23वें विराट राजसूय महायज्ञ एवं पारदेश्वर महादेव तीर्थ पर आयोजित महाशिवरात्रि मेला के आठवें दिन विश्व के सर्वाधिक विशाल 1111 किलो के पारदेश्वर महादेव को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सर्वाधिक विशाल पारद शिवलिंग का एक्सीलेंस सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। 15 नवंबर 2015 के रिकॉर्ड के मुताबिक यह पारद शिवलिंग 2 फुट 9 इंच ऊंचाई एवं 4 फुट 4 इंच की चौड़ाई दिए विशाल स्वरूप मैं स्थापित है प्रज्ञा धाम की परम अध्यक्ष डॉ. साध्वी विभानंद गिरी ने यह सर्टिफिकेट गोल्डन बुक की टीम के योगेंद्र महंत के द्वारा प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा के चिंतक वरिष्ठ नेता गोविंदाचार्य, शरद अग्रवाल, स्वामी चकरा नंद, स्वामी भास्करानंद, स्वामी चरण आनंद आदि उपस्थित रहे। आज महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रातः 5 बजे नागा साधुओं का हिरण नदी में शाही स्नान होगा एवं दोपहर 2 बजे से भगवान शिवजी की बारात कटंगी नगर का भ्रमण करेगी सभी से उपस्थिति की अपील की गई है।

बैंकों के निजीकरण के विरोध में हुई नारेबाजी

15 व 16 मार्च को होगी बैंक कर्मियों की दो दिवसीय हड़ताल

जबलपुर (एजेंसी)। यूनाईटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आव्हान पर बैंक कर्मचारियों द्वारा भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बैंकों के निजीकरण का विरोध किया जा रहा है। निजीकरण के विरोध में सभी बैंकों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सांय सिविक में नारेबाजी की गई। इस मौके पर बताया यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि सभी बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 15 एवं 16 मार्च को पूर्ण हड़ताल कर सभी बैंक बंद किए जाएंगें।

यूनाईटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के संयोजक एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी संघ जबलपुर अंचल के उपमहासचिव विजय मिश्रा ने बताया कि सरकार द्वारा बैंकों के निजीकरण के कारण आम जनता का पैसा असुरक्षित हो जायेगा। सरकार द्वारा सार्वजनिक बैंकों से जनधन योजना के खाते, मुद्रा लोन, अन्य सरकारी योजनाओं के ऋण एवं नोटबंदी आदि के कार्य कराये गये तब सार्वजनिक बैंकों की अवधारणा के उपरांत किसान वर्ग, मजदूर एवं छोटे तबके के सभी नागरिकों को गांव में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हो सकी है। इस अवसर पर स्टेट बैंक के राजेश कुमार कठल, आशीष सेन, प्रशांत खरे, विनोद जोशी, विवेक रंजन चौबे, पंकज गुप्ता, संजय बघेल, तरूण डेकाटे, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के अंकित अवस्थी, संतोष गुप्ता, पीएनबी के संजीव कुमार सिंह, अल्का कुमारी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एचसी पटेल, सुनील गुप्ता, बीओआई के शशांक सिंहा, केनरा बैंक के सतीश समन, अनुपम पांडे आदि ने आमजनों से हड़ताल के समर्थन की अपील की है।

शिवलिंग निर्माण का भव्य शुभारंभ, भक्तों की लगी भारी भीड़

पाटन (एजेंसी)।

नगर के तान्या कन्वेंट स्कूल में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर गृहस्थ संत पंडित अरुण चौबे के पावन सानिध्य में पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को किया गया। आयोजन में भक्तों द्वारा शिवलिंग निर्माण किया गया तथा महाराजजी ने मंत्रोच्चार कर अभिषेक व पूजन किया।

भगवान शिव को महाराजजी ने प्रकृति का आधार व आदि-अनंत बताया। उन्होंने बताया शिवलिंग निर्माण करने से समस्त पापों का क्षय होता है, मनुष्य को रोगों व कष्टों से छुटकारा मिलता है, इससे परम दिव्य आनंद की अनुभूति होती है। शिव आराधना समस्त सुखों का मूल है व सुख प्राप्ति का एक मात्र साधन है। इस अवसर जय मातेश्वरी भक्त परिवार के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। जय मातेश्वरी भक्त परिवार ने अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर धर्म लाभ लेने की अपील सभी से की है।

महाशिवरात्रि पर्व आज

पाटन में महाशिवरात्रि पर्व पर नगर में बड़े धूमधाम से महाशिवरात्रि पर्व पर जगह-जगह आयोजन किए जा रहे हैं। शिवालय धाम में शालिग्राम व्यास के संयोजन में महाशिवरात्रि पर्वोत्सव पर्व मनाया जा रहा, जिसमें महाआरती 11 मार्च रात्रि 8 बजे और वैदिक रुद्राभिषेक पूजन शिवस्तुति संकीर्तन प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। रात्रि 7 बजे से रात्रि 12 बजे तक कीर्तन होगा।

निकलेगी भोले बाबा की बारात

महाशिवरात्रि पर्व पर पाटन नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महाशिवरात्रि पर्व पर विविध आयोजन होंगे, जिसमे भोले बाबा की बारात भी निकलेगी। शिवभक्तों ने बताया की महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है। माना जाता है की सृष्टि का आरंभ इसी दिन से प्रारंभ हुआ था।

देवी पार्वती से हुआ था भगवान शिव का विवाह

महामंडलेश्वर आचार्य श्रीमंत सिया वल्लभदास वेदांती जी महाराज ने बताया की भगवान शिव की अपार शक्ति और भक्ति का पर्व महाशिवरात्रि इस साल 11 मार्च गुरुवार को पड़ रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था इस दिन भगवान शिव और पार्वती जी की पूरे विधि विधान से पूजा की जाती है। भक्तजन भांग धतूरा बेल पत्र बेर और ऋतुफल चढ़ाते हैं। इस दिन सभी लोग शिवजी का व्रत भी करते हैं और शाम को व्रतधारी महिला पुरुष फलाहार कर व्रत का पारायण करते हैं। इस दिन कई स्थानों पर शिव बारात भी निकाली जाती है।

ग्रामीण अंचलों में होंगे आयोजन

महाशिवरात्रि पर्व के दौरान नगर तथा ग्रामीण अंचलों में स्थित शिवालयों जैसे शिव बाबा महाराज मंदिर, शिवमंदिर साहू कॉलोनी में शंकर जी के मंदिर, पिपलेश्वर शिवालय एवं ग्रामीण क्षेत्रों व आसपास के विभिन्न शिवालयों में अखंड रामायण पाठ, कन्या भोजन, ब्राह्मण भोज, भंडारा, रुद्राभिषेक, पार्थिव शिवलिंग निर्माण जैसे अनेक धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे।

कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए मनाएं त्यौहार

जबलपुर। जगदगुरु डॉ. स्वामी श्याम देवाचार्य महाराज ने कोरोना संक्रमण दोबारा रफ्तार न पकड़ सके इसके लिये संस्कारधानी जबलपुर के नागरिकों से महा शिवरात्रि सहित आने वाले सभी त्यौहारों पर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की है । डॉ श्याम देवाचार्य महाराज ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के प्रकरण बढ़ते हए दिखाई दे रहे ये सभी के लिये चिंता की बात है । उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और समन्वित प्रयासों के फलस्वरूप जबलपुर में इस वैश्विक महामारी को काबू में रखा जा सका है । लेकिन यह पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, अभी भी इसके बढ़ने का खतरा बना हुआ है । स्वामी डॉ श्याम देवाचार्य जी ने कहा कि पिछले वर्ष जैसी स्थिति फिर से न बने इसके लिये सभी को सावधानी बरतनी होगी, मास्क पहनना होगा, दो गज की दूरी बनाये रखनी होगी और हाथों को बार.बार साबुन से धोना होगा या सेनिटाइज करते रहना होगा । उन्होंने कहा कि त्यौहार पूरे उत्साह से मनाएं जाए लेकिन कोरोना से बचने पूरी सतर्कता भी बरती जाये । यह भी जरूरी है कि लोग धर्मस्थलों पर और मंदिरों में समूह की शक्ल में एकत्रित न हो और कहीं भी भीड़ का हिस्सा न बने । डॉ श्याम देवाचार्य जी महाराज ने शासन.प्रशासन द्वारा जारी गाईड लाईन और समय. समय पर जारी किये जा रहे दिशा.निर्देशों का पालन करने का अनरोध भी नागरिकों से किया है ।

जब पहली बार साइना नेहवाल से मिली थीं परिणीति चोपड़ा

जानिए हैदराबाद में हुई वो मुलाकात कैसे थी खास

परिणीति चोपड़ा ने साइना के घर पर हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने उनके घर को देखा... उनके घर में सिर्फ रैकेट्स, शटल कॉक्स, मेडल्स और ट्रॉफीज़ थीं. मुझे लगता है कि उनका खुद का सामान कम है और ये सबकुछ ज्यादा है.

साइना नेहवाल की बायोपिक 'साइना' में टाइटल रोल निभा रहीं परिणीति चोपड़ा ने आज फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान बैडमिंटन चैम्पियन साइना से उनके घर पर हुई एक पुरानी मुलाकात का भी जिक्र किया. परिणति चोपड़ा ने फिल्म ? की शूटिंग शुरू करने से पहले साइना नेहवाल से इस हुई मीटिंग के बारे में कहा, हम लोग साइना से हैदराबाद में उनसे मिलने गए थे. उन्होंने मुझे कहा था कि मैंने तुम्हें कभी स्पोर्ट्स खेलते हुए नहीं देखा है. मैंने (हंसते हुए) कहा कि बिल्कुल मैंने भी कभी अपने आपको खेलते हुए नहीं देखा है. साइना ने मुझे कहा कि मुझे यकीन है कि तुम खेल पाओगी. इस पर मैंने साइना से कहा कि हां, लेकिन मुझे आपसे मिलने के बाद लग रहा है कि कुछ गड़बड़ हो गई है.परिणीति ने साइना के घर पर हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए आगे कहा, मैंने उनके घर को देखा... उनके घर में सिर्फ रैकेट्स, शटल कॉक्स, मेडल्स और ट्रॉफीज़ थीं. मुझे लगता है कि उनका खुद का सामान कम है और ये सबकुछ ज्यादा है. इसे देखने के बाद मुझपर डाली गई जिम्मेदारी का बड़ा एहसास हुआ. वहां से वापस लौटने के बाद हमने दोगुनी ट्रेनिंग शुरू की. मुझे लग रहा था कि अगर मैं एक प्रतिशत भी उनकी तरह खेल पाऊंगी तो मैं खुद को कामयाबी समझूंगी.

परिणति ने कहा कि उनपर इस फिल्म में साइना के किरदार के साथ न्याय करने का भारी दबाव था. परिणति ने कहा, लेकिन साइना ने हमें पूरी तरह से सहयोग किया. उन्होंने अपनी जिंदगी ? में झांकने का पूरा मौका दिया. मैं जितना मर्जी उन्हें फेसटाइम, फोन करूं, वो मेरे हर सवाल का जवाब देती थीं. इसके अलावा अमोल गुप्ते सर साइना और उनकी फैमिली से दो-तीन साल से मिल रहे थे... बैडमिंटन सीखने का मुझपर इतना प्रेशर था कि मैं और कोई दबाव झेल नहीं पाती वर्ना मैं टूट जाती और अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाती. ऐसे में मैंने अपना बेहतरीन कर दिखाने का दबाव झेलने का फैसला लिया.

परिणीति ने कहा, मैंने कोई और दबाव न लेते हुए बस अपना और फिल्म के डायरेक्टर का प्रेशर लिया, क्योंकि मुझे डायरेक्टर को इम्प्रेस करना था. मुझे इस स्पोर्ट्स को सीखने की मेहनत करनी थी और यही वजह है कि मैंने और कोई भी बाहरी दबाव नहीं महसूस किया. मुझपर दबाव सिर्फ इस बात का था कि क्या मैं जो भी सीख रही हूं उससे मेरे कोच खुश हैं या नहीं और मैं स्क्रीन पर कैसी दिख रहूं, इसे लेकर मेरे डायरेक्टर खुश हैं या नहीं. मुझपर और कोई दबाव नहीं था.

परिणीति ने कहा कि उनके लिए इस फिल्म ? में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं था और हर फिल्म में काम करना एक रिस्क तो होता ही है.जब परिणति से पूछा गया कि शूटिंग शुरू करने से पहले वो साइना के बारे में कितना कुछ जानती थीं, इसपर परिणीति ने कहा, उनके बारे में सबकुछ मीडिया में पहले से था मगर मुझे मीडिया तक उनके पहुंचने के सफर के बारे में नहीं पता था. वो कैसे पली-बढ़ीं, कहां पली-बढ़ीं, उसकी जिंदगी का हीरो कौन था, किसने यहां तक पहुंचने में उनकी मदद की... साइना जैसी वर्ल्ड क्लास प्लेयर के भावनात्मक सफर और पर्दे के पीछे की कहानी के बारे में मुझे बाद में पता चला.उल्लेखनीय है कि साइना का रोल पहले श्रद्धा कपूर कर रही थीं, जिसकी शूटिंग भी उन्होंने शुरू कर दी थी. लेकिन फिल्म के डायरेक्टर और परिणीति दोनों ने उन्हें रीप्लेस किये जाने को लेकर कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया.

'साइना' को साइन ? करने के बारे में परिणीति ने कहा, मैंने इस फिल्म ? की स्क्रिप्ट के बारे में काफी कुछ सुन रखा था और मैं सोच रही थी अगर मुझे इस फिल्म में काम करने का मौका मिले तो मजा आ जाए. मैं अलग करना चाहती थी, जिसमें मुझे होमवर्क भी करना पड़े. मैंने स्क्रिप्ट सुनी और अगले दिन से फिल्म पर काम शुरू कर दिया. मुझे लगता है कि आपकी डेस्टिनी में जो फिल्म होती है, वो आपके पास किसी न किसी तरह आ जाती है.

Shraddha Kapoor की स्किन है बेहद सेंसेटिव, क्लीन और फ्रेश रखने के लिए करती हैं ये काम

संवेदनशील स्किन थोड़े-से भी बदलाव को झेल नहीं पाती और तुरंत रिऐक्ट करती है. फिल्म एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर भी इसी परेशानी का सामना कर रही थीं लेकिन उन्होंने इससे निकलने का रास्ता ढूंढ ही लिया.

संवेदनशील त्वचा की देखभाल ज्यादा चुनौतिपूर्ण है क्योंकि सेंसटिव स्किन के मूड को समझना जरा मुश्किल होता है. संवेदनशील स्किन थोड़े-से भी बदलाव को झेल नहीं पाती और तुरंत रिऐक्ट करती है. फिल्म एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर भी इसी परेशानी का सामना कर रही थीं लेकिन उन्होंने इससे निकलने का रास्ता ढूंढ ही लिया.

श्रद्धा के मुताबिक नियमित देखभाल के बाद भी कई बार स्किन के मूड को समझना मुश्किल होता है. हालांकि यह आसान नहीं है कि आप कुछ समय के लिए अपने चेहरे पर कुछ भी अप्लाई न करें. लेकिन कभी-कभी ऐसा करना जरूरी हो जाता है और इससे पॉजिटिव रिजल्ट भी मिलता है. हमेशा कुछ न कुछ लगाते रहने से सेंसेटिव स्किन और अधिक इरिटेट हो सकती है.

श्रद्धा कपूर बताती हैं कि उनकी स्किन बहुत अधिक संवेदनशील है. त्वचा को क्लीन और फ्रेश रखने के लिए वह हर दिन कम से कम दो बार अपना चेहरा धोती हैं. साथ ही दोनों बार मॉइश्चराइजर भी करती हैं. रात को सोने से पहले त्वचा को साफ करना और उस पर मॉइश्चराइजर या नाइट क्रीम लगाना बहुत जरूरी है. ताकि आपकी त्वचा को रातभर के लिए भोजन और पोषण मिल सके.

श्रद्धा का फेवरिट मेकअप प्रॉडक्ट कंसीलर है. यह हमेशा उनकी मेकअप किट में होता है. श्रद्धा के मुताबिक स्किन के मूड को अजेस्ट करने और स्किन की इंप्योरिटीज को छिपाने के लिए वह इसका उपयोग करना पसंद करती हैं. श्रद्धा कहती हैं कि कंसीलर लगाने से चेहर पर मेकअप की परतें चढ़ी होने का अहसास नहीं होता है. ना ही चेहरे पर किसी तरह की हेवीनेस दिखाई देती है.

Aly Goni और Jasmin Bhasin Tony Kakkar के नए गाने में दिखे, Tera Suit गाने ने 5 घंटे मे पार किए 2 मिलियन व्यूज

बिग बॉस 14 (Bigg Boss 14) के कंटेस्टेंट अली गोनी (Aly Goni) और जैस्मीन भसीन (Jasmin Bhasin) एक नए अवतार में सबके सामने आ गए हैं. हाल ही में टोनी कक्कड़ का नया म्यूजिक वीडियो 'तेरा सूट (Tera Suit)' रिलीज किया गया है जिसमें दोनों स्टार काफी कलरफुल थीम में नज़र आ रहे हैं. टोनी कक्कड़ (Tony Kakkar) का नया गाना आज ही रिलीज किया गया है. इस गाने को रिलीज हुए 5 घंटे हो गए और इस गाने को अभी तक 2 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं. सोशल मीडिया पर टोनी कक्कड़, अली गोनी और जैस्मिन भसीन इस गाने की सूचना देते हुए दिखाई दिए.

इस नए गाने में अली गोनी और जैस्मिन भसीन लुक्का-छुप्पी खेतले हुए दिखाई दे रहे हैं. इससे पहले टोनी कक्कड़ का एक और नया गाना रिलीज हुआ था जिसमें हंसिका मोटवानी भी नज़र आई थीं. गाने के बोल थे 'बूटी शेक.' सोशल मीडिया पर इस गाने को लेकर टोनी कक्कड़ खूब ट्रोल हुए थे. टोनी कक्कड़ के इस म्यूजिक वीडियो में जैस्मिन भसीन काफी स्टाइलिश नजर आ रही हैं. वहीं अली गोनी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने गाने की एक झलक को शेयर करते हुए लिखा, 'हमारा नया गाना रिलीज हो गया है. हम सभी की मेहनत को आप सब के प्यार की जरुरत है. हस सभी को खूब प्यार दे.'

आपको बता दें, हाल ही में 'बिग बॉस 14' में अली (Aly Goni) जैस्मिन भसीन के सपोर्टर बनकर घर में आए थे, लेकिन उनकी गेम इतनी स्ट्रांग हो गई कि वो घर में रह गए और जैस्मिन भसीन घर से बेघर हो गई थीं. जैस्मिन ने अपने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल 'टशन-ए-इश्क' से की थी.

आधी रात को मुंबई की सड़क पर निया शर्मा ने किया ऐसा डांस, सोशल मीडिया पर आ गई मज़ेदार कमेंट्स की बाढ़

Nia Sharma) टीवी इंडस्ट्री की कितनी बोल्ड और ग्लैमरस एक्ट्रेस हैं ये बात तो किसी से छिपी नहीं है. उनका इंस्टाग्राम इस बात की गवाही चीख चीख कर देता है. हाल ही में वो अपने बोल्ड फोटोशूट को लेकर काफी छाई रही थी. लेकिन इस बार वो एक वीडियो को लेकर चर्चा में गई हैं. ये वीडियो निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर जैसे ही अपलोड किया तो इसे वायरल होते देर नहीं लगी वहीं इस पर खूब मज़ेदार कमेंट्स सोशल मीडिया यूज़र्स कर रहे हैं.

आधी रात को बीच सड़क पर निया का डांस

निया काफी बिंदास अंदाज़ मे जिंदगी जीती हैं और इसकी झलक उनकी नई वीडियो में साफ दिखाई देती है. वो इस वीडियो में आधी रात को सड़क पर ही डांस करती नज़र आ रही हैं. निया अकेली नहीं हैं बल्कि अपनी फ्रेंड के साथ हैं और उनकी पार्टनर भी काफी शानदार डांस मूव्स कर रही हैं. यूं तो ये वीडियो काफी पसंद की जा रही है लेकिन इस पर काफी मज़ेदार कमेंट्स भी पढ़ने को मिल रहे हैं.

कुछ सोशल मीडिया यूज़र इस वीडियो को लेकर निया की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं तो वहीं कुछ लोग निया से ज्यादा उनकी पार्टनर की तारीफ करते नज़र आ रहे हैं. तो कोई निया को लेडी डॉन कह रहा है. खैर जो भी हो लेकिन 1 दिन पहले अपलोड इस वीडियो को अब तक ढाई लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं.

बोल्ड फोटोशूट से मचाया तहलका

वैसे इस वीडियो के साथ साथ निया अपने बोल्ड फोटोशूट को लेकर भी काफी छाई हुई हैं. उन्होंने इसकी झलक इंस्टाग्राम पर शेयर क्या की कि हर ओर हंगामा मच गया. सोशल मीडिया पर भी इसके चर्चे खूब हो रहे हैं. इससे पहले निया स्विमवियर में नज़र आई थीं. वर्कफ्रंट की बात करें तो 26 फरवरी को ही उनकी सीरीज़ जमाई 2.0 रिलीज़ हुई है जिसे ज़ी 5 पर देखा जा सकता है.

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ और सुंदर ने लगायी लंबी छलांग

दुबई, (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं।

ऋषभ ने इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में 101 रन बनाये थे इसी कारण उन्हें रैंकिंग में सात स्थानों का लाभ मिला है।

ऋषभ बल्लेबाजी रैंकिंग में हमवतन रोहित शर्मा और न्यूजीलैंड के हेनरी निकोल्स के साथ सातवें स्थान पर हैं। वहीं रोहित एक स्थान आगे बढ़े हैं। वहीं अंतिम टेस्ट में 96 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले वाशिंगटन सुंदर ने भी 39 स्थान की लंबी छलांग लगायी है और वह 62वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं कप्तान विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा इस श्रृंखला में उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कोहली पांचवें स्थान पर बने हैं हालांकि उनके नवंबर 2017 के बाद सबसे कम रेटिंग अंक हो गए हैं। वहीं पुजारा 13वें स्थान पर फिसल गये हैं और सितंबर 2016 के बाद पहली बार उनके रेटिंग अंक 700 से नीचे आये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। अश्विन न्यूजीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। वह अगस्त 2017 के बाद पहली बार इस स्थान पर पहुंचे हैं।

अश्विन आलराउंडरों की सूची में शाकिब अल हसन से ऊपर चौथे स्थान पर हैं। वहीं अक्षर ने चौथे टेस्ट में नौ विकेट लिये जिससे वह 552 अंकों के साथ आठ पायदान ऊपर 30वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के डेन लॉरेन्स को भी सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वह बल्लेबाजों की सूची में 47 पायदान ऊपर 93वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि गेंदबाजी में जेम्स एंडरसन दो स्थानों के लाभ के साथ ही चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पृथ्वी ने विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार तीसरा शतक लगाया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। मुंबई की कप्तानी करते हुए युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय चैंपियनशिप में लगातार तीसरा शतक लगाकर भारतीय टीम में अपनी वापसी का दावा पेश किया है। पृथ्वी ने सेमीफाइनल मुकाबले में कर्नाटक के खिलाफ 79 गेंदों में तेजी से शतक लगाया। इस टूनार्मेंट में पृथ्वी का यह चौथा शतक है। उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 12 चौके और तीन छक्के भी लगाए हैं। इस युवा बल्लेबाज ने इस सीजन में अब तक 700 से ज्यादा रन बनाये हैं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल केवल 6 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद पृथ्वी ने दूसरे विकेट के लिए आदित्य तारे के साथ 71 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला।

इससे पहले पृथ्वी ने पुडुचेरी के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में नाबाद 227 रन बनाये थे। वहीं उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में नाबाद 185 रन की पारी खेली थी। पृथ्वी ने अब तक तीन मैचों में शतक लगाकर दिखाया है कि वह फार्म में आ गये हैं। इससे पहले उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब फार्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था।

आबू धाबी में सीन विलियम्स और कोच लालचंद राजपूत आपस में बात करते हुए।

इटली में टिराना साइक्लिंग रेस में जीत के बाद उत्साहित बेल्जियम के वेन अलर्ट व अन्य प्रतियोगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का डांस सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मिली जीत के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जश्न मनाया और इस दौरान जमकर डांस भी किया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति ने इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में वेदा कृष्णमूर्ति, आकांक्षा कोहली, दिव्या, जेमिमा, वनिथा, और ममता डांस करते हुई दिखाई दे रही हैं। यह सभी खिलाड़ी सुपरस्टार एक्टर विजय के गाने वाथी कमिंग पर डांस कर रही है। यह वीडियो प्रशंसकों को भी खूब पसंद आ रहा है। बता दें कि इससे पहले भारतीय पुरूष टीम के खिलाड़ी भी इस गाने पर डांस करते हुए दिखाई दिये थे। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के साथ सीरीज से करीब एक साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। पहले मैच में जहां भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा वहीं दूसरे मैच में उसने जीत के साथ वापसी की है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला टीम

लखनऊ, (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। इस श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय टीम ने हार के बाद दूसरे ही मैच में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। इससे टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। दूसरे एकदिवसीय में भारतीय बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। कप्तान मिताली राज के साथ ही हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधान फार्म में आ गयी हैं। गेंदबाजी में अनुभवी झूलन गोस्वामी के साथ ही अन्य गेंदबाजों ने भी दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में अब भारतीय महिला टीम तीसरा मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल करना चाहेगी। मंधान ने जहां दूसरे मैच में शतक लगाकर कई रिकार्ड अपने नाम किये। वहींभारतीय गेंदबाजों ने भी दूसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम को केवल 157 रनों पर ही समेट दिया था।

भारत के लिए झूलन की फॉर्म अहम रहेगी। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका को कप्तान सुने लुस और लारा गुडाल से बहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। अब तक के दोनो मैचों में इनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के लिए युवा जेमिमा रोड्रिग्ज, स्मृति मंधाना और पूनम राउत का सामना करना आसान नहीं रहेगा। मंधाना ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था।

सुबह चार बजे उठाकर सचिन सर और ब्रेट ली को मैच खेलते देखना अलग ही अनुभव : गिल

अहमदाबाद, (एजेंसी)। उभरते हुए भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि आस्ट्रेलिया में टेस्ट पदार्पण करते हुए ऐसा लग रहा था,जैसे वह जंग के लिए जा रहे हों और वहां से यह सबक सीखकर आए कि किसी भी स्थिति में किसी को भी चुका हुआ मत मानो। गिल के लिए आस्ट्रेलिया का दौरा अच्छा रहा जहां उन्होंने चार टेस्ट की श्रृंखला में दो अर्धशतक की मदद से 259 रन बनाए। भारत ने चोटों की समस्या से जूझने के बावजूद यह श्रृंखला 2-1 से जीती। गिल ने मेलबर्न में दूसरे टेस्ट के दौरान पदार्पण किया जहां से भारत ने श्रृंखला का रुख बदला जबकि एडीलेड में पहले दिन-रात्रि टेस्ट में उस करारी हार का सामना करना पड़ा था। गिल ने कहा कि जब तक क्षेत्ररक्षण कर रहा था तब तक मैं काफी सामान्य था। लेकिन जब बल्लेबाजी की बारी आई और मैं दर्शकों के शोर (आस्ट्रेलिया के समर्थन में) के बीच ड्रेसिंग रूम से पिच तक आ रहा था,तब यह अलग तरह का अनुभव था। ऐसा लग रहा था जैसे जंग के लिए जा रहा हूं।

मैच शुरू होने से पहले मुख्य कोच रवि शास्त्री ने जब गिल को टेस्ट कैप सौंपी,तब उन पर भावनाएं हावी हो गई थी। गिल इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में अब तक कोई बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं, लेकिन आस्ट्रेलिया दौरे पर अपने ठोस प्रदर्शन से उन्होंने दशार्या कि आखिर क्यों उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा माना जाता है। आस्ट्रेलिया में पदार्पण के बारे में पूछने पर गिल ने कहा कि यह उनके बचपन के सपने के साकार होने की तरह था।

उन्होंने कहा कि जब मैं बच्चा था,तब आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच देखने के लिए सुबह साढ़े चार-पांच बजे उठ जाता था। अब लोग मुझे खेलते हुए देखने के लिए जल्दी उठते हैं, यह शानदार अहसास है। मुझे अब भी याद है कि आस्ट्रेलिया में श्रृंखला को देखने के लिए मेरे पिता और मैं जल्दी उठ जाया करते थे। ब्रेट ली को गेंदबाजी या सचिन (तेंदुलकर) सर को बल्लेबाजी करते हुए देखना अलग तरह का अहसास था। अचानक मैं उस टीम में खेल रहा हूं और आस्ट्रेलियाई मुझे गेंदबाजी कर रहे हैं। यह पूछने पर कि आस्ट्रेलिया दौरे से क्या सबक सीखा तो गिल ने कहा कि कुछ भी हो, आप किसी भी स्थिति में किसी को भी चुका हुआ नहीं मान सकते। हमारे टीम के इतने सारे खिलाड़ी चोटिल थे लेकिन फिर भी ड्रेसिंग रूम की सकारात्मकता कभी नहीं बदली।

बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में लाथम होंगे न्यूजीलैंड के कप्तान

एडीलेड, (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ 20 मार्च से शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय क्रिकेट मैचों की सीरीज में केन विलियमसन की जगह टॉम लाथम न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूजीलैंड ने इस सीरीज के लिए 13 सदस्तीय टीम घोषित कर दी है। विलियमसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। वहीं दूसरी ओर एकदिवसीय टीम में डेवॉन कॉनवे, डेरिल मिचेल और विल यंग को पहली बार शामिल किया गया है।

विलियमसन चोटिल होने की वजह से एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं। ऐसा माना जा रहा है कि विलियमसन एकदिवसीय सीरीज के अलावा तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी भाग नहीं लेंगे। न्यूजीलैंड टीम को उम्मीद है कि विलियमसन जून में भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक ठीक हो जाएंगे। वहीं बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। उन्होंने पहले टी20 मैच में नाबाद 99 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा टी20 सीरीज में उन्होंने कुल 192 रन बनाए थे। इसके अलावा ऑलराउंडर डेरिल मिचेल और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विली यंग को पहली बार न्यूजीलैंड की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड की टीम इस प्रकार हैः टॉम लाथम (कप्तान और विकेटकीपर), ट्रेंट बोल्ट, मार्टिन गप्टिल, मैट हेनरी, काइल जेमिसन, रॉस टेलर, टिम साउथी, मिशेल सैंटनर, विल यंग, जिमी नीशम, डेरिल मिचेल, डेवॉन कॉनवे और हेनरी निकोल्स।

आईपीएल खेलने वाले क्रिकेटरों पर बरसा इंग्लैंड का दिग्गज बल्लेबाज

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तन ज्योफ्री बॉयकॉट ने राष्ट्रीय टीम की जगह आईपीएल खेलने वाले क्रिकेटरों को जमकर फटकारा है। बॉयकॉट ने इसके साथ ही इन खिलाड़ियों को अनुमति देने के लिए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को भी आड़े हाथों लिया है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा है कि आईपीएल) को प्राथमिकता देने वालों के क्रिकेटरों के पैसे काटे जाने चाहिए। वहीं इससे पहले इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने इस बात की पुष्टि की थी कि न्यूजीलैंड के साथ सीरीज के दौरान आईपीएल में खेलने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी पूरे टूनार्मेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसका यह अर्थ है कि इस लीग के अंतिम चरण में पहुंचने वाली टीमों के इंग्लैंड के खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरूआती टेस्ट के लिए शायद उपलब्ध नहीं रहेंगे।

बॉयकॉट ने लिखा कि इन सभी खिलाडिों ने इंग्लैंड के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए अपनी पहचान बनाई है और इसके लिए उन्हें अच्छी तरह से भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी यह भूल जाते है कि अगर वे इंग्लैंड के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं करेंगे तो उन्हें आईपीएल में भी खेलने का अवसर कोई नहीं देगा। ऐसे में उन्हें इंग्लैंड के प्रति समर्पण दिखाना चाहिये और अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिये।

इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं उन्हें पैसे कमाने से नहीं रोकना चाहता हूं पर राष्ट्रीय टीम की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ईसीबी पर खिलाडिों के प्रति नरम रवैया अपनाने का आरोप लगते हुए खिलाड़ियों को आराम देने की रोटेशन नीति की भी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड ने भारत में रोटेशन नीति को ठीक से लागू नहीं किया। अगर कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम का साथ छोड़कर छुट्टी पर जाना चाहते है तो उनके पैसे काटे जाने चाहिए।

जब तक खिलाड़ी पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध होने की बात न कहे उसे टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ का हवाला देकर राष्ट्रीय टीम का साथ छोड़ सकते है पर आईपीएल को लेकर वे ऐसा नहीं करते हैं।

मैनचेस्टर में साउथेंपटन के रेयान बरट्रेंड इंग्लिश प्रीमियर लीग से पहले गेंद पर किक लगाते हुए।

लिविंगस्टोन की चार साल बाद इंग्लैंड टीम में वापसी

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल

अहमदाबाद, (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन की चार साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी हुई है। लिविंगस्टोन को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में बेहतर प्रदर्शन के कारण ही भारतीय टीम के साथ शुक्रवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इस क्रिकेटर ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अब परिपक्व हो गये हैं। जून 2017 में दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले लिविंगस्टोन ने ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग (बीबीएल) में शानदार प्रदर्शन कर इंग्लैंड की टीम में वापसी की है। उन्होंने बिग बैश में उप विजेता पर्थ स्कोरचर्स की ओर से 14 मैचों में 426 रन बनाए हैं। लिविंगस्टोन ने कहा, साल 2017 की तुलना में मैं काफी बदला हुआ खिलाड़ी हूं। दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलकर आप जो अनुभव हासिल करते हो वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने पर काफी अहम हो जाता है। उन्होंने कहा, अपने करियर में पहली बार मैं महसूस कर रहा हूं कि मैं इस माहौल का हिस्सा बनने के लिए तैयार हूं। मैं पहले काफी अपरिपक्व था। मैं फिर अपने क्रिकेट का आनंद उठा रहा हूं।

हाल में हुई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में लिविंगस्टोन को राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। आईपीएल 2019 में चार मैच खेलने वाले लिविंगस्टोन को इस बार अधिक मुकाबले खेलने की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, मैंने आईपीएल में समय बिताया, 2 बार बिग बैश लीग के अलावा पाकिस्तान सुपर लीग में खेला। इस दौरान मैंने देखा कि वे कैसे खेलते हैं यह जानना अच्छा अनुभव रहा। फ्रेंचाइजी क्रिकेट सीखने के लिए शानदार चीज है। लिविंगस्टोन को शायद ही पहले मैच में अंतिम ग्यारह में अवसर मिले पर इसके बाद भी यह खिलाड़ी निराश नहीं है।

इस क्रिकेटर ने कहा, इंग्लैंड क्रिकेट में इतने सारे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। मैं लचीलापन दिखाने के लिए स्वयं पर गर्व करता हूं। मुझे जब भी मौका मिले मैं इसके लिए तैयार रहूंगा। लिविंगस्टोन इससे पहले सिर्फ आफ स्पिन गेंदबाजी करते थे लेकिन अब उन्होंने लेग स्पिन करना भी सीख लिया है।

वापसी की तैयारी में लगे जडेजा ने दिया अनूठा जवाब

नई दिल्ली, (संवाददाता)। टीम इंडिया के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आजकल टीम में वापसी के लिए तैयारियों में लगे हैं। जडेजा फिटनेस हासिल करने के लिए बेंगलुरु की नेशनल क्रिकेट अकैडमी (एनसीए) में रिहैब कार्यक्रम से गुजर रहे हैं। जडेजा की ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंगूठे की सर्जरी हुई थी। जडेजा ने राजस्थान रॉयल्स के अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट भी शेयर की है। इसमें उनसे आईपीएल फ्रैंचाइजी ने सवाल पूछा कि साल 2025 में दुनिया का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर कौन होगा वहीं इसके जबाव में जडेजा ने अपना ही नाम लिया। जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट नहीं खेल पाए थे। ब्रिसबेन में आखिरी टेस्ट मैच खेला गया था, जिसे भारत ने जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी।